



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-25082020-221338  
CG-DL-E-25082020-221338

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 210]  
No. 210]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 25, 2020/भाद्र 3, 1942  
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 25, 2020/BHADRA 3, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2020

मामला सं. एडीडी-ओआई - 12/2019

**विषय:** चीन जन. गण., मलेशिया और वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “सभी किस्मों में कोलीन क्लोराइड” का आयात करने से संबंधित पाटनरोधी जांच में अंतिम जांच परिणाम।

**फा. सं. 6/18/2019- डीजीटीआर.**—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (इसके बाद इसे अधिनियम भी कहा जाएगा) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण एवं क्षति का निर्धारण करने के लिए पहचान) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद ए डी नियमावली अथवा नियमावली कहा जाएगा) को ध्यान में रखते हुए :-

## क. मामले की पृष्ठभूमि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद में प्राधिकारी कहा गया है) को चीन जन. गण., मलेशिया और वियतनाम से (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) “सभी किस्मों में कोलीन क्लोराइड” (जिसे इसके बाद “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “पी यू सी” (अथवा “संबद्ध वस्तुएं”) भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के

लिए अधिनियम एवं नियमावली के अनुसार मै० जुविलैण्ट लाइफ साइंस लि० (जिसे इसके बाद “आवेदक” अथवा “घरेलू उद्योग” भी कहा गया है) से पाटन एवं परिणामी क्षति बताते हुए एक लिखित आवेदन-पत्र प्राप्त हुआ तथा उपरोक्त संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया।

2. आवेदक के द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने, कथित पाटन के अस्तित्व, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश, यदि कोई हो, पर विचार करने के लिए नियमावली के उपनियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों से उद्भूत अथवा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना सं. 6/18/2019-डीजीटीआर, दिनांक 1 अक्टूबर, 2019 के द्वारा एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।

#### **ख. प्रक्रिया**

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी के द्वारा इसमें नीचे बतायी गई प्रक्रिया का पालन किया गया है :-
  - क. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पूर्व पाटनरोधी संबंधी आवेदन पत्र प्राप्त करने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
  - ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 1 अक्टूबर, 2019 की इसकी जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के दौरान एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।
  - ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के जाने माने उत्पादकों/निर्यातकों जाने माने आयातकर्ताओं/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के लिए आवेदन पत्र में दिए पते के अनुसार जांच शुरुआत अधिसूचना के सार्वजनिक नोटिस के एक प्रति भेजी तथा जांच शुरुआत की अधिसूचना में निर्धारित समय सीमा के भीतर उनके विचार जानने के लिए उनसे अनुरोध किया गया।
  - घ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदन पत्र में उपलब्ध कराए गए पते के अनुसार संबद्ध देशों के जाने माने उत्पादकों/निर्यातकों भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों के माध्यम से उनकी सरकारों, भारत में जाने माने आयातकर्ताओं/प्रयोक्ताओं तथा अन्य भारतीय उत्पादकों के लिए आवेदन पत्र गैर-गोपनीय रूपान्तरण की एक प्रति भी भेजी तथा जांच की शुरुआत करने की सूचना देते हुए प्राधिकारी के द्वारा पत्र जारी करने की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार उपलब्ध कराने के लिए उनसे अनुरोध किया गया। आवेदन पत्र के गैर-गोपनीय रूपान्तरण की एक प्रति सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध करायी गई थी तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा यदि लिखित में अनुरोध किया हो, तो उन्हें उपलब्ध करायी गई थी।
  - ड. प्राधिकारी के द्वारा एक फार्म में तथा निर्धारित तरीके से प्रासंगिक सूचना मंगाने के लिए निम्नलिखित जाने माने उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातकों की प्रश्नावली वाला नोटिस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार भेजा गया।

#### **चीन जन. गण.**

- i. मै० कांगझाऊ डाजेंग एनीमल मेडिसीन कंपनी लि०, चीन
- ii. मै० गोल्डेन हाइवे केमिकल्स लि०, चीन
- iii. मै० हेबाई दाहे इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लि०, चीन
- iv. मै० हुबेई मैक्सफार्म इंडस्ट्रीज कंपनी लि०
- v. मै० लैओनिग बायोकेम कंपनी लि०, चीन
- vi. मै० किंगदाओ गुड प्रास्पर इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि०, चीन
- vii. मै० किंगदाओ के एफ पी इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि०, चीन
- viii. मै० शानडांग ऑक्टर केमिकल कंपनी लि०, चीन

- ix. मै० शानडांग जुजिया बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन
- x. मै० शानडांग एन बी टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन
- xi. मै० शानडांग ब्राइटोल इंटरनेशनल कंपनी लि०, चीन
- xii. मै० तामिंको कोलीन क्लोराइड, चीन
- xiii. मै० वुहान जिन्जींजियाली बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन

#### **मलेशिया**

- i. मै० ऊनी फार्मा एफ जेड सी (मलेशिया) एसडीएन., मलेशिया

#### **वियतनाम**

- i. मै० जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लि०, वियतनाम
  - ii. ऐन हुय कंपनी लि०, वियतनाम
- च. प्रत्युत्तर में संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातकों के प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया :-
- i. मै० जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लि०, वियतनाम
  - ii. मै० जी एच डब्ल्यू होलिंग कंपनी, हांगकांग
- छ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्धारित फार्म और तरीके से आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के जाने माने निम्नलिखित आयातकर्ताओं/प्रयोक्ताओं के लिए आयातकर्ता प्रश्नावली वाला एक नोटिस भेजा था :-
- i. मै० नवोमोन्डो केमिकल्स प्रा० लि०, मुंबई
  - ii. मै० वेटाड न्यूट्रीएंट्स प्रा० लि०, पंजाब
  - iii. मै० निसविन इंटरप्राइजेस, तमिलनाडु
  - iv. मै० ग्लोबल हेल्थ केयर, दिल्ली
  - v. मै० प्लानेट व्यापार प्रा० लि०, दिल्ली
  - vi. मै० शेंग लॉग बायो-टेक (इंडिया) प्रा० लि०, तमिलनाडु
  - vii. मै० उत्तरा इम्पेक्स प्रा० लि०, पुणे
  - viii. मै० बी विटल थेराप्युटिक्स प्रा० लि०, तेलंगाना
- ज. प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित आयातकर्ताओं/प्रयोक्ताओं ने प्रत्युत्तर दिया तथा आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया :-
- i. मै० शेंग लॉग बायो-टेक (इंडिया) प्रा० लि०, तमिलनाडु
  - ii. मै० उत्तरा इम्पेक्स प्रा० लि०, पुणे
- झ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों के लिए जांच शुरूआत की उन्हें सूचना देते हुए निर्धारित फार्म और तरीके से प्राधिकारी के लिए प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध के साथ उन्हें जांच शुरूआत का नोटिस भी भेजा गया था:-
- i. मै० बालाजी एमीनीज लि०, सोलापुर, महाराष्ट्र
  - ii. मै० एस डी ए प्रोडक्ट्स, गुजरात
  - iii. मै० सुप्रीम केमिकल्स इंडस्ट्रीज, गुजरात
  - iv. मै० वेनवेत केमिकल्स प्रा० लि०, हैदराबाद

- v. मै० ब्यू क्रास एनीमल हेल्थ केयर प्रा० लि०, गुजरात
  - vi. मै० साल्वी केमिकल इंडस्ट्रीज लि०, मुंबई
  - vii. मै० मेडेन फार्मा प्रा० लि०, थाणे, महाराष्ट्र
- ज. किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है अथवा वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है।
  - ट. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निरीक्षण हेतु खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य किए गए निवेदनों का गैर- गोपनीय रूपान्तरण प्राधिकारी ने उपलब्ध कराया। प्रासंगिक समझी गई सीमा तक सभी हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को इन अंतिम निष्कर्षों में ध्यान में रखा गया है।
  - ठ. जांच की अवधि और विगत 3 वर्षों का संबद्ध वस्तुओं के आयातों का लेनदेन-वार ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था जिसे प्राधिकारी के द्वारा प्राप्त किया गया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अनुसार सूचित आयात \*\*\* एमटी है, जबकि जांच की अवधि के वियतनाम के लिए डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में दर्शाया गया आयात केवल 560 एमटी है। इसलिए इस अंतिम निष्कर्ष के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के वियतनाम के लिए डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में दर्शाए आंकड़े से अधिक होने पर भी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अनुसार सूचित आयातों को, जहां कहीं व्यवहार्य है, स्वीकार किया गया है। तथापि, आयातों की मात्रा एवं इसके विश्लेषण का परिकलन करने के लिए इस प्रकार प्राप्त किए गए डीजीसीआई एंड एस के लेनदेन-वार आंकड़ों पर प्राधिकारी ने अन्यथा भरोसा किया है।
  - ड. भारत में संबद्ध वस्तुओं को निर्मित करने एवं बिक्री करने की लागत एवं उत्पादन की अधिकतम लागत के आधार पर क्षतिरहित मूल्य (एन आई पी) का निर्धारण घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर किया गया। सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) और नियमावली का अनुबंध-III तैयार किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि क्या घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन से कम है।
  - ढ. प्रार्थी के द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की ऑन-स्पॉट जांच करने के माध्यम से, प्राधिकारी के द्वारा जहां तक आवश्यक समझा गया, वास्तविक जांच की गई थी। आवश्यक संशोधनों के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर जहां तक आवश्यक समझा गया, वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनों के लिए भरोसा किया गया है।
  - ण. आवश्यक समझी गई सीमा तक उत्पादकों/निर्यातकों के द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की डेस्क जांच प्राधिकारी के द्वारा की गई है तथा वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ उस पर भरोसा किया गया है।
  - त. वर्तमान जांच के लिए साक्ष्य के साथ संलग्न किए गए प्रासंगिक समझे गए अन्य निवेदनों को जो इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए हैं, उन पर वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी के द्वारा उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
  - थ. वर्तमान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पी ओ आई) 1 अप्रैल, 2018 से 30 जून, 2019 (15 मास) है। तथापि, क्षति जांच अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016, अप्रैल, 2016 से मार्च 2017, अप्रैल, 2017 से मार्च, 2016 तथा पी ओ आई की अवधि के रूप में माना गया है।
  - द. विश्व भर में फैली हुई कोविड-19 महामारी की वजह से तथा भारत समेत विभिन्न देशों के द्वारा लगाए गए संगत प्रतिबंधों की वजह से प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) तथा व्यापार नोटिस सं. 01/2020, दिनांक 10 अप्रैल, 2020 के अनुसार कार्यालय में तत्कालीन मनोनीत प्राधिकारी के समक्ष प्रासंगिक सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने हेतु 15 मई, 2020 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए मौखिक सुनवायी की।
  - ध. बाद में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदल जाने की वजह से तथा दिनांक 7 जनवरी, 2011 को सिविल अपील सं. 2006 की 949 में ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले

में माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार कार्यालय में वर्तमान निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष वर्तमान प्रासंगिक सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 16 जुलाई, 2020 को नए निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा दूसरी मौखिक सुनवायी की गई थी।

- न. गोपनीय आधार हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई थी। संतुष्टि होने पर प्राधिकारी ने, जहां प्रमाणित सिद्ध हुआ, गोपनीयता संबंधी दावों को स्वीकार किया है तथा ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के बारे में पर्याप्त गैर-गोपनीय रूपान्तरण, जहां संभव हो, उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे।
- प. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ करने से मना किया हो अथवा सूचना अन्यथा उपलब्ध न करायी हो, अथवा जांच में काफी बाधा पहुंचायी हो, वहां पर प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और इन अंतिम निष्कर्षों को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिकार्ड किया है।
- फ. नियमावली के नियम 16 के अनुसार, जांच के अनिवार्य तथ्यों को दिनांक 17 अगस्त, 2020 के प्रकटन निवारण के द्वारा जाने माने हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट किया गया था तथा उन पर प्राप्त की गई टिप्पणियों का प्राधिकारी के द्वारा उचित समझाने पर अंतिम जांच परिणामों में समाधान किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए प्रकटन के बाद के अधिकांश निवेदन उनके द्वारा पहले किए गए निवेदनों की केवल पुनरावृत्ति है। तथापि, प्रासंगिक समझे गए प्रकटन के बाद के निवेदनों की इन अंतिम जांच परिणामों में जांच की जा रही है।
- ब. इस अंतिम जांच जांच परिणाम विवरण में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार के द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है तथा इस पर नियमावली के अधीन प्राधिकारी के द्वारा ऐसे विचार किया है।
- भ. जांच अवधि के दौरान प्रचलित अमरीकी 1 डॉलर = 70.73 रूपए की औसत विनिमय दर को प्राधिकारी के द्वारा स्वीकार किया गया है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत करते समय विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था :-

“4. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद “सभी किस्मों में कोलीन क्लोराइड” है। कोलीन क्लोराइड एक जैव मिश्रण होता है और पशु-आहार में एक योजक के रूप में एक चतुर्थ अमोनियम साल्ट का उपयोग किया जाता है। कोलीन क्लोराइड का विभिन्न रूपों में जैसे कोर्न कोब, ऑन लिलिका तथा जलीय मिश्रणों में उत्पादन किया जा सकता है।

5. कोलीन क्लोराइड का प्रतिक्रिया प्रक्रिया के दो चरणों में उत्पादन किया जाता है, जिसमें, पहले साल्ट (ट्रिमिथाइल अमाइल हाइड्रोक्लोराइड) तैयार करने के लिए ट्रिमिथाइल अमाइन हाइड्रोक्लोराइड एसिड के साथ प्रतिक्रिया दिखाता है, जो फिर कोलीन क्लोराइड तैयार करने के लिए इथीलीन ऑक्साइड के साथ प्रतिक्रिया दिखाता है। प्रमुख अनुप्रयोगों में पशु आहार में योजक, फार्मा अनुप्रयोग, आहार अनुप्रयोग, तथा तेल और गैस अनुप्रयोग शामिल हैं। वर्तमान अनुप्रयोग केवल पशु आहार के साथ कोलीन क्लोराइड तथा तेल और गैस अनुप्रयोगों से संबंधित हैं।

6. संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 23099010, 23099020, 23099090 और 29231000 में वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।”

#### ग.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुओं के बारे में घरेलू उद्योग के द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- क. विचाराधीन उत्पाद “सभी किस्मों में कोलीन क्लोराइड” है, जो एक जैव मिश्रण है तथा पशु आहार में एक योजक के रूप में एक चतुर्थ अमोनियम साल्ट का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है।
- ख. कोलीन क्लोराइड का प्रतिक्रिया प्रक्रिया के दो चरणों में उत्पादन किया जाता है, जिसमें, पहले साल्ट (ट्रिमिथाइल अमाइल हाइड्रोक्लोराइड) तैयार करने के लिए ट्रिमिथाइल अमाइन हाइड्रोक्लोराइड एसिड के साथ प्रतिक्रिया दिखाता है, जो फिर कोलीन क्लोराइड तैयार करने के लिए इथीलीन ऑक्साइड के साथ प्रतिक्रिया दिखाता है। शोधित कोलीन क्लोराइड को एक कैरियर पर जमा किया जाता है और फिर सुखाया जाता है।
- ग. कोलीन क्लोराइड के चार व्यापार अनुप्रयोग हैं यानि (i) पशु आहार अनुप्रयोग (ii) फार्मा अनुप्रयोग (iii) आहार अनुप्रयोग और (iv) तेल और गैस अनुप्रयोग। वर्तमान जांच केवल पशु आहार अनुप्रयोगों तथा कोलीन क्लोराइड के तेल एवं गैस अनुप्रयोग से संबंधित है। कोलीन क्लोराइड के फार्मा और आहार अनुप्रयोग विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर हैं।
- घ. कोलीन क्लोराइड का (क) अध्याय 29 के अधीन आने वाले तरल कोलीन क्लोराइड और (ख) अध्याय 23 के अधीन आने वाले कोलीन क्लोराइड यौगिक पशु आहार के दो व्यापक रूपों में उत्पादन किया जाता है। ठोस किस्म का कोर्न कोब सिलिका कैरियर जैस अलग-अलग कैरियरों में उत्पादन किया जाता है। दोनों उत्पादों का संयोजन बुनियादी कच्चे माल के चरण से वही होता है। अलग-अलग रूप में कोलीन क्लोराइड की प्रतिशतता भिन्न-भिन्न हो सकती है। सामान्य तौर पर 60 प्रतिशत कोर्न कोब का आयात ठोस स्वरूप के होते हैं। तथापि, ग्राहकों की मांग के अनुरूप उत्पाद को अन्य रूपों में भी बेचा जा सकता है। उत्पादन की लागत और उत्पाद का विक्रय मूल्य एक विशेष रूप में कोलीन क्लोराइड की प्रतिशतता पर निर्भर करता है। अधिक प्रतिशतता, अधिक लागत और मूल्य, उत्पाद के अलग-अलग ग्रेड/स्वरूप/किस्म/क्षमता/साइज/अनुप्रयोग का अर्थ अलग-अलग उत्पादों से नहीं होता है।
- ड. प्रार्थी के द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित वस्तुओं की समान वस्तुएं होती हैं, क्योंकि वे रासायनिक और तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विशिष्टियों, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय होती हैं तथा तकनीकी और वाणिज्यिक तौर पर प्रतिस्थापन के योग्य होती हैं।

## ग.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निर्यातकों/आयातकर्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा की गए निवेदन निम्नलिखित हैं :-
- क. निर्यातक के उत्पाद में विचाराधीन उत्पाद की तुलना में सक्रिय रासायनिक संगठक की दृष्टि से कोई विशिष्ट अंतर नहीं होता है। तकनीकी दृष्टि से जिस उत्पाद का आयात किया जा रहा है, वह उत्पाद तथा विचाराधीन उत्पाद समान होते हैं तथा वास्तविक गुणवत्ता पैरामीटर का ही अंतर होता है, क्योंकि आयातित उत्पाद मुक्त स्वरूप के होते हैं, परिणामस्वरूप लम्प (पिजु) स्वरूप नहीं होता है। इसलिए, स्पष्ट आकलन को सुगम बनाने के लिए उत्पाद के कार्य क्षेत्र को विशेष तौर पर विनिर्दिष्ट करना चाहिए।
- ख. विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र को वर्तमान जांच के लिए यह विनिर्दिष्ट करते हुए कम करके सीमित करना चाहिए कि क्या कोलीन क्लोराइड का पशु आहार में एक योजक के रूप में उपयोग किया जाता है अथवा तेल और गैस अनुप्रयोग में उपयोग किया जाता है।
- ग. शुष्क कोलीन क्लोराइड और तरल कोलीन क्लोराइड को एक विचाराधीन उत्पाद में मिलाया नहीं जा सकता है। शुष्क और तरल कोलीन क्लोराइड के अंतिम प्रयोग तथा रासायनिक संयोजन काफी भिन्न होते हैं और कार्य, अंतिम उपयोग, उत्पाद निविष्टियां, मूल्य निर्धारण, वितरण, विपणन और टैरिफ वर्गीकरण में अंतर होने की वजह से इनको मिलाया नहीं जा सकता है।
- घ. पशु आहार में विचाराधीन उत्पाद का उपयोग ही एक सुनिश्चित बाजार है। आयातकर्ता केवल शुष्क कोलीन क्लोराइड का ही आयात कर रहा है। तथापि, तेल और गैस उद्योग में तरल कोलीन क्लोराइड का उपयोग अपेक्षाकृत एक नया बाजार है। प्रार्थी ने हाल ही में तेल और गैस अनुप्रयोग के लिए कोलीन क्लोराइड का उत्पादन करना शुरू किया है तथा इसका उत्पादन बहुत ही तरुण अवस्था में है। स्थापित बाजारों में सामग्री क्षति मानक की तुलना में सामग्री विलम्बन मानक एक नए उत्पाद के मामले में लागू



होते हैं। पाटन और क्षति की जांच करने के लिए प्राधिकारी के द्वारा इन दोनों उत्पादों का अलग-अलग विश्लेषण कर लेना चाहिए क्योंकि याचिकाकर्ता के द्वारा दोनों उत्पादों के उत्पादन का स्पष्ट विभाजन उपलब्ध नहीं कराया गया है। तेल और गैस के अनुप्रयोग में प्रयुक्त कोलीन क्लोराइड के लिए विगत जांचों में किसी प्रकार की सुरक्षा के लिए अनुरोध नहीं किया गया था।

### ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु से संबंधित मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई है।
8. वर्तमान आवेदन पत्र में विचाराधीन उत्पाद “सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड” है। कोलीन क्लोराइड का (क) अध्याय 29 के अधीन आने वाले तरल कोलीन क्लोराइड और (ख) अध्याय 23 के अधीन आने वाले कोलीन क्लोराइड यौगिक पशु आहार के दो व्यापक रूपों में उत्पादन किया जाता है। सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के पशु यौगिक आहार के रूप में तरल कोलीन क्लोराइड 29231000 के अधीन वर्गीकरण योग्य है, जबकि शुष्क कोलीन क्लोराइड 23099010 के अधीन वर्गीकरण योग्य है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं को आयातों को सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 23099010, 23099020, 23099090 और 29231000 के अंतर्गत सूचित किया गया है।
9. कोलीन क्लोराइड एक जैव मिश्रण है और पशु आहार में एक योजक के रूप में एक चतुर्थ अमोनियम साल्ट का मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है। कोलीन क्लोराइड का प्रतिक्रिया प्रक्रिया के दो चरणों में उत्पादन किया जाता है, जिसमें, पहले साल्ट (ट्रिमिथाइल अमाइल हाइड्रोक्लोराइड) तैयार करने के लिए ट्रिमिथाइल अमाइन हाइड्रोक्लोराइड एसिड के साथ प्रतिक्रिया दिखाता है। शोधित कोलीन क्लोराइड का उसी प्रकार से उपयोग किया जाता है जैसा वह होता है अथवा इसे एक कैरियर पर जमा किया जाता है और फिर सुखाया जाता है। कोलीन क्लोराइड के चार व्यापक अनुप्रयोग हैं यानि (i) पशु आहार अनुप्रयोग (ii) फार्मा अनुप्रयोग (iii) आहार अनुप्रयोग और (iv) तेल और गैस अनुप्रयोग। वर्तमान जांच केवल पशु आहार अनुप्रयोगों तथा कोलीन क्लोराइड के तेल एवं गैस अनुप्रयोग से संबंधित है।
10. निर्यातक ने यह स्वीकार किया है कि घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित कोलीन क्लोराइड तथा निर्यातक कंपनी के द्वारा आपूर्ति किए जा रहे क्लोराइड में कोई विशेष अंतर नहीं है।
11. विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र को कम करके सीमित करने के बारे में तर्क का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद मुख्य रूप से तरल रूप में कोलीन क्लोराइड है। इस कैरियर पर जमा किया जाता है और पशु मिश्रण आहार के रूप में इसे उपयुक्त बनाने के लिए बाद में इसको शुष्क किया जाता है। तथापि यह कोलीन क्लोराइड है जिसका एक पशु मिश्रण आहार के रूप में अनिवार्य तौर पर उपयोग किया जाता है। घरेलू उद्योग ने जांच करने तथा फार्मा और आहार अनुप्रयोग में प्रयुक्त कोलीन क्लोराइड को छोड़कर इसके सभी किस्मों के कोलीन क्लोराइड पर शुल्क लगाने की मांग की है। कोलीन क्लोराइड की दोनों किस्म तरल और शुष्क वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत आती है। वर्तमान जांच की भांति विगत दो जांचों में भी विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र समान था। कोलीन क्लोराइड का तेल और गैस अनुप्रयोग में इस्तेमाल नहीं किया जाता है, इस तथ्य का केवल यह आशय नहीं है कि तेल और गैस अनुप्रयोग में प्रयुक्त कोलीन क्लोराइड एक नया उत्पाद है। यद्यपि घरेलू उद्योग ने तेल और गैस अनुप्रयोग के लिए बिक्री किए गए उत्पाद का ब्यौरा दिया है और पशु मिश्रण आहार के रूप में कोलीन क्लोराइड का उपयोग किया था, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद में अंतर दिखाने के लिए कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया है। किसी मौजूदा उत्पाद के एक नए उपयोग को विकसित करने का अभिप्राय किसी नए उत्पाद का सृजन करने से नहीं होता है। वस्तुतः विपक्षी हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं यह कहा है कि यह अनुप्रयोग हाल ही में विकसित किया गया है। जिस तरल कोलीन क्लोराइड को आहार अनुप्रयोगों के लिए कोलीन क्लोराइड बनाने के लिए कैरियर पर जमा करने के लिए रखा जाता है और जिसे तेल और गैस अनुप्रयोग के लिए रखा जाता है, उनको समान माना गया है।
12. जहां तक सीमा शुल्क वर्गीकरण का संबंध है, इस बारे में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुष्क कोलीन क्लोराइड अध्याय 23 के अंतर्गत इसलिए आता है, क्योंकि यह एक पशु मिश्रण आहार है और अनुप्रयोग को ध्यान में रखते हुए यह अध्याय 23 के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाने योग्य है। सीमा शुल्क वर्गीकरण अनिवार्यतः आयातों को सुगम बनाने के लिए होता है और तरल कोलीन क्लोराइड 29231000 के अंतर्गत वर्गीकृत करने योग्य है जबकि शुष्क कोलीन क्लोराइड 23099010 के अंतर्गत वर्गीकृत किए जाने योग्य है, केवल इस वजह से इन्हें वर्तमान प्रयोजनों

के लिए नापसंद वस्तुएं की श्रेणी में नहीं जाता है। दोनों सीमा शुल्क वर्गीकरणों को पूर्व दोनों जांचों में भी विचार किया जाता है।

13. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि जांच शुरूआत के नोटिस में विचाराधीन उत्पाद का कार्य क्षेत्र उपयुक्त है और विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र को निम्नानुसार परिभाषित किया जाता है :-  
*“वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद में सभी किस्मों में कोलीन क्लोराइड है और इसमें 29231000 और 23099010 के अंतर्गत आने वाले वाले आहार और फार्मा अनुप्रयोगों के लिए कोलीन क्लोराइड शामिल नहीं आते हैं।”*
14. प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि संबद्ध देशों से निर्यात किए गए उत्पाद और भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध उत्पाद में कोई अंतर ज्ञात नहीं होता है। भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं से भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्य और उपयोग, उत्पाद विशिष्टियों वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय होती हैं। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टिकोण से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का विनिमय करके उपयोग कर रहे हैं। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं संबद्ध देशों से निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तुएं हैं।

## घ. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थिति

### घ.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

15. घरेलू उद्योग के कार्य क्षेत्र और स्थिति के संबंध में प्रार्थी के द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए हैं :-
- क. भारत में उत्पाद के एक उत्पादक और घरेलू उद्योग के रूप में मै० जुविलैंट लाइफ साइंसेज लि० ने आवेदन दायर किया है। प्रार्थी का न तो भारत में आयातकर्ता के साथ और न ही संबद्ध देशों के निर्यातकों से कोई संबंध है तथा उसने संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है।
- ख. विचाराधीन उत्पाद के दो और जान माने घरेलू उत्पादक नामतः मै० बालाजी अमीन्स और मै० एस डी ए प्रोडक्ट्स हैं।
- ग. भारत में कोलीन क्लोराइड के कुछ और उत्पादक हैं लेकिन वे कोलीन क्लोराइड का प्रारंभिक चरण से उत्पादन नहीं करते हैं और वे केवल या तो घरेलू उत्पादकों से अथवा विदेशी उत्पादकों से तरल पदार्थ प्राप्त करने के बाद में शुष्क कोलीन क्लोराइड का उत्पादन करते हैं। इन कंपनियों के द्वारा किए गए उत्पादन को सकल घरेलू उत्पादन का निर्धारण करने में शामिल नहीं करना चाहिए और न ही इन कंपनियों को उत्पाद के घरेलू उत्पादकों के रूप में मानना चाहिए।
- घ. विभिन्न उत्पादकों के द्वारा किए गए उत्पादन के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना नहीं है। आवेदक न बाजार आसूचना के आधार पर अपने उत्पादन का आकलन किया है।
- ड. प्रार्थी भारत में विचाराधीन उत्पाद का प्रमुख उत्पादक है। इसके उत्पादन का लेखा भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन से 50 प्रतिशत से अधिक है और इस तरह से यह घरेलू उद्योग बनता है।

### घ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

16. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन निम्नलिखित हैं :-
- क. प्रभावी तौर पर भारत में केवल एक उत्पादक अर्थात् याचिकाकर्ता है तथा संबद्ध वस्तुओं की पी ओ आई के दौरान केवल उनके द्वारा ही प्रमुख रूप से आपूर्ति की गई है। पी ओ आई के दौरान दो अन्य उत्पादकों (बालाजी अमीन्स और एस डी ए प्रोडक्ट्स) के द्वारा पर्याप्त मात्रा में वस्तुओं की आपूर्ति नहीं की थी। याचिकाकर्ता से ही सबसे बड़ा उत्पादक है और यह छाया हुआ है और किसी प्रकार का पाटनरोधी शुल्क लगाने से बाजार में एकाधिकार मूल्य निर्धारण को अपनाने के लिए कंपनी को मदद मिलेगी।
- ख. अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लेकर किसी भी अन्य पक्षकार के द्वारा उत्पादन के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी गई है तथा याचिकाकर्ता के निवेदन बाजार सूचना पर आधारित हैं तथा प्राधिकारी के लिए उपलब्ध करायी गई सूचना यदि वास्तविक न हो, तो इसे ठीक कर लेना आवश्यक है।



**घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच**

17. वर्तमान आवेदन मै० जुवीलैट लाइफ साइंसेज लि० के द्वारा दायर किया गया है। प्रार्थी को संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातकर्ता अथवा निर्यातक से संबंधित न होना बताया है और न ही संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। विपक्षी हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा कोई प्रतिकूल निवेदन नहीं किया गया है।
18. प्रार्थी के अलावा मै० बालाजी अमीन्स, मै० एस डी ए प्रोडक्ट्स भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य भारतीय उत्पादक है।
19. जांच शुरुआत के चरण में प्राधिकारी ने अन्य घरेलू उत्पादकों को पत्र लिखा था जिसमें क्षति निर्धारण के बारे में निर्धारित फार्म और तरीके से सूचना दायर करने के लिए उन्हें सलाह दी थी। तथापि, किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक ने निर्धारित प्रपत्र में पूरी क्षति सूचना दायर नहीं की है।
20. प्रार्थी ने मै० सुप्रीम केमिकल इंडस्ट्रीज, मै० वेनवेट केमिकल्स प्रा० लि०, मै० ब्लू क्रास एनीमल हेल्थकेयर प्रा० लि०, मै० साल्वी केमिकल इंडस्ट्रीज लि० और मै० मेदेन फार्मा प्रा० लि० की ऐसी कंपनियों के रूप में पहचान की है जो या तो घरेलू बाजार से अथवा विदेशी उत्पादकों से तरल कोलीन क्लोराइड प्राप्त करने के बाद शुष्क कोलीन क्लोराइड बेच रही हैं। आवेदक ने यह तर्क दिया कि इन कंपनियों का निवेश जबकि तरल कोलीन क्लोराइड है तो उनका उत्पादन एक कैरियर पर शुष्क कोलीन क्लोराइड है। ऐसे निवेशकों या तो घरेलू उत्पादकों से प्राप्त किया गया है अथवा संबद्ध अथवा असंबद्ध देशों से आयात करके प्राप्त किया गया है। चूंकि इन कंपनियों के निवेश और उत्पादन दोनों विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में हैं, इसलिए इन कंपनियों के निवेश को घरेलू उत्पादकों के उत्पादन में (यदि घरेलू बाजार से प्राप्त किया हो) अथवा भारत में आयातों में विचार किया गया है। अतः इन कंपनियों के उत्पादन को भारत में कुल पॉम घरेलू उत्पादन का निर्धारण करने में शामिल नहीं किया गया है। तदनुसार, जो उत्पादक प्रारंभिक चरण से कोलीन क्लोराइड का उत्पादन कर रहे हैं, केवल इन्हीं उत्पादकों को वर्तमान जांच करने के लिए घरेलू उत्पादक के रूप में माना गया है।
21. पी ओ आई में प्रार्थी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का \*\*\* प्रतिशत निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, यदि आयातित तरल कोलीन क्लोराइड से शुष्क कोलीन क्लोराइड के उत्पादन को कुल घरेलू उत्पादन में शामिल कर लिया जाता है, तो भी कुल घरेलू उत्पादन में प्रार्थी का हिस्सा 50 प्रतिशत से ज्यादा है। अतः प्रार्थी का उत्पादन भारत के उत्पादन में एक बहुत अधिक अनुपात बैठता है। तदनुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि नियमावली के नियम 2(ख) नियम 5(3) के अर्थ में प्रार्थी घरेलू उद्योग बनता है।

**ड. गोपनीयता संबंधित मुद्दे****ड.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

22. गोपनीयता संबंधी मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग के द्वारा निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :-

- क. प्राधिकारी के द्वारा जारी किए गए नियमावली और व्यापार नोटिस के अनुसार प्रार्थी ने आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपान्तरण में सभी अनिवार्य सूचना प्रकट कर दी है। जहां कहीं संभव हुआ है वहां पर अभिसूचक सूचना उपलब्ध करायी गई है। प्रार्थी अकेला प्रार्थी है और वास्तविक सूचना को प्रकट करने से प्रतियोगियों और उपभोक्ताओं को काफी प्रतिस्पर्धा लाभ मिलेगा।
- ख. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा दायर किए गए गैर-गोपनीय रूपान्तरण कुल मिलाकर त्रुटिपूर्ण हैं और इन्हें निरस्त कर देना चाहिए। प्रत्युत्तर देने वाले निर्यातक ने धारक कंपनी का नाम तथा शेयर धारण संबंधी विवरण प्रकट करने में अत्याधिक गोपनीयता का दावा किया है।

**ड.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन**

23. गोपनीयता के मुद्दों पर निर्यातकों/आयातकर्ताओं/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन निम्नलिखित हैं :-
- क. व्यापार नोटिस सं. 10/2018 का उल्लंघन करते हुए याचिका में अत्याधिक गोपनीयता बरती है। याचिकाकर्ता ने सभी अन्य उत्पादकों के उत्पादन की मात्रा और मूल्य, आर एंड डी व्यय, जुटाई गई निधियों तथा क्षतिरहित मूल्य की गणना के पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। प्रार्थी ने विपक्षी पक्षकारों तथा प्राधिकारी से भी प्रासंगिक सूचना सीमित करने की कोशिश की है।

- ख. आवेदक ने आवेदन पत्र का सही और पूर्ण अगोपनीय रूपान्तरण उपलब्ध नहीं कराया है, जिस वजह से विरोध करने के अधिकार को खतरा होने की आशंका है। प्रार्थी के द्वारा सही और पूर्ण सूचना तथा वास्तविक मात्रा की सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकारी के द्वारा निर्देश दिए जाने चाहिए जिससे प्रभावी खण्डन किया जा सके।

### ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

24. हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के लिए उपलब्ध करायी गई सूचना का गैर-गोपनीय रूपान्तरण प्राधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराया गया है।
25. सूचना की अत्यधिक गोपनीयता से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 7 में हितबद्ध पक्षकारों को कुछ सूचना की गोपनीयता का दावा करने की अनुमति है तथा गोपनीयता के आधार पर दायर की गई सूचना का गैर-गोपनीय रूपान्तरण उपलब्ध कराने की उनसे अपेक्षा की जाती है। गोपनीय आधार हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के आधार पर जांच की गई थी। संतुष्टि होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं उचित समझा, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है तथा ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त गैर-गोपनीय रूपान्तरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत किए प्रमाण का अगोपनीय रूपान्तरण प्राधिकारी ने उपलब्ध कराया था।

### च. विविध अनुरोध

#### च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

26. विविध मुद्दों के संबंध में निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. यूरोपीय संघ और चीन जन.गण पर पहले ही पाटन-रोधी शुल्क लगाते हुए उत्पाद को पिछले 17 साल से पर्याप्त रूप से संरक्षित किया गया है। पिछला शुल्क, जो 20 दिसंबर, 2017 को समाप्त हो गया, के विस्तार की मांग के लिए घरेलू उद्योग द्वारा कोई अनुरोध दर्ज नहीं किया गया था।
- ख. याचिका में अधूरी और गलत जानकारी है क्योंकि इसमें वार्षिक पीओआई और पीओआई के लिए एक ही आँकड़े दर्शाए गए हैं। प्राधिकारी ने इस आधार पर यूरोपीय संघ के विरुद्ध जांच आरम्भ नहीं की, कि यूरोपीय संघ से सम्बद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से कम था और जांच की अवधि के लिए क्षति का मार्जिन नकारात्मक था। इसके बावजूद, याचिकाकर्ता ने यूरोपीय संघ को छोड़कर एक अद्यतन याचिका दायर नहीं की और न ही उन्होंने पाटन मार्जिन की गणना करने का तरीका अद्यतन किया। इस संबंध में, आवेदक ने न तो पत्रों का उत्तर दिया है और न ही अद्यतन आंकड़ें प्रदान किए हैं।
- ग. वियतनाम को चीन के कृत्रिम निर्माणकारी के रूप में होने के संबंध में घरेलू उद्योग के विवाद से इनकार किया है। आवेदक ने वियतनाम में पीयूसी के लिए उपलब्ध उत्पादन सुविधा को विवादित नहीं किया है।
- घ. घरेलू उद्योग ने वर्तमान मामले में उत्पाद के ट्रांस-शिपमेंट का विरोध नहीं किया है। आरम्भिक अधिसूचना में भी ट्रांस-शिपमेंट के मुद्दे को शामिल नहीं किया गया है।
- ड. घरेलू उद्योग और निर्यात करने वाले उत्पादकों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को सभी मामलों में समान होने की आवश्यकता नहीं है। वियतनामी उत्पादक कम्पनी कच्चे माल से उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण विनिर्माण प्रक्रिया संचालित करती है। मूल्य संवर्धन लगभग 30-40% है। मूल्यवर्धन के परिमाण का अर्थ परिवंचनारोधी जाँच में है, न कि पाटन-रोधी जाँच में।
- च. एडीडी भारत में पशु आहार के अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए अनुचित संकट पैदा कर सकता है जो प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत होने के लिए असंगठित हैं। प्राधिकारी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ऐसे उपयोगकर्ताओं की अवस्था पर विचार कर सकते हैं। किसी भी शुल्क का भार ऐसे उपयोगकर्ताओं द्वारा वहन किया जाएगा जो अनुत्पादक होंगे।

- छ. आवेदक थोड़ी मात्रा में आयात के लिए असहिष्णु भी है और बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए कोई आयात नहीं चाहता है। किसी भी एडीडी को आवेदक द्वारा ई लाभ को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाएगा क्योंकि वे इस तरह के मूल्य निर्धारण में संलग्न होने के लिए अच्छी तरह से स्थापित हैं।
- ज. भारत सरकार एक तरफ सहायता पैकेजों की घोषणा कर रही है और दूसरी ओर एडीडी को लागू करने से अंततः भारत में पशुपालन में लगे लोग होने वाले लाभ से वंचित हो सकते हैं।

## च.2 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

### 27. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं

- क. पाटन रोधी शुल्क को लागू करना संरक्षण करना नहीं है। एक शुल्क के समाप्त होने के बाद आयात पुनः पाटन की गई कीमतों पर आरम्भ हो गया।
- ख. क्षति से सम्बंधित विवरणों में प्रस्तुत आंकड़ों में कोई अशुद्धि नहीं है। आवेदक ने इस प्रवृत्ति को याचिका के अगोपनीय संस्करण में प्रदान किया है। चूंकि पीओआई 12 माह नहीं है, प्रवृत्तियों को अलग-अलग अवधियों की समय-सीमा में अंतर पर विचार करते हुए सूचित किया गया है। आंकड़ों को प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया है।
- ग. आवेदक ने यूरोपीय संघ के संबंध में भी आवेदन दर्ज किया है। हालांकि, प्राधिकारी ने प्रथम दृष्ट्या ईयू के विरुद्ध जांच आरम्भ करने का औचित्य नहीं पाया है। न तो नियमावली में इसकी आवश्यकता है, और न ही है प्राधिकारी ने जांच आरम्भ करने के पश्चात आवेदक को यूरोपीय संघ को हटाकर संशोधित याचिका दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।
- घ. सार्वजनिक हितों से सम्बंधित मुद्दों को उठाए गए विवाद के प्रतियुत्तर में आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि पाटन-रोधी शुल्क उचित कीमतों पर आयातों को प्रतिबंधित नहीं करेगा और किसानों की आयातित माल तक पहुंच में बाधा नहीं होगी। वास्तव में, शुल्क अधिरोपित करने से आयातित सामानों को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान के सममूल्य करेगी और बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित होगी।
- ड. घरेलू उद्योग ने पाटन से होने वाली क्षति के समाधान की मांग की है। घरेलू उद्योग ने अनुचित लाभ कमाने के लिए शुल्क नहीं मांगा है।
- च. पहले प्राधिकारी ने पाया कि उत्पाद की लागत और अंतिम उत्पाद पर एडीडी का प्रभाव अत्यधिक कम है।

## च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

### 28. सुसंगत माने जाने वाले विभिन्न विविध अनुरोधों की निम्नानुसार जांच की गई है:

- क. इस विवाद के संबंध में कि घरेलू उद्योग को विगत अनेक वर्षों से सुरक्षा प्राप्त है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एडीडी नियमों के तहत आवश्यक शर्तों के पूरा होने पर ही पाटन-रोधी शुल्क का अधिरोपण अथवा विस्तार किया जाता है। चूंकि पाटन-रोधी शुल्क लागू नहीं है, वर्तमान जांच एक नई जांच है।
- ख. अधूरी और गलत जानकारी के विवाद के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की जांच की गई थी और केवल जानकारी की पर्याप्तता और सटीकता के संबंध में प्रथम दृष्ट्या संतुष्टि के बाद जांच आरम्भ की गई थी। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी को बाद में प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया है। जैसा कि अनुक्रमित आंकड़ें प्रदान करने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सूचीकरण में कोई कमी नहीं है।
- ग. यूरोपीय संघ को बहिष्कृत करने के बाद संशोधित आवेदन दर्ज करने के विवाद के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदन चीन, यूरोपीय संघ, मलेशिया और वियतनाम के संबंध में दर्ज किया गया था। प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ से आयात के संबंध में जांच आरम्भ नहीं करना उपयुक्त माना। हालाँकि, आवेदन में जांच के तहत प्रत्येक देश के लिए पर्याप्त रूप से अलग-अलग आंकड़ें शामिल हैं।
- घ. वियतनाम के निर्यातक के छद्म चीनी निर्माता होने के डीआई के विवाद के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तर देने वाले निर्यातक ने चीन से तरल कोलीन क्लोराइड की खरीद की, जिसे सूखे कोलीन

क्लोराइड में संसाधित किया गया और भारत को निर्यात किया गया। प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक द्वारा दर्ज प्रतियुत्तर दर्शाता है कि खपत हुए कच्चे माल की लागत (मुख्य रूप से तरल कोलीन क्लोराइड) में उत्पादन की लागत का\*\*\*% और बिक्री की लागत का\*\*\*% है। यह भी नोट किया गया है कि निर्यातक ने विनिर्माण सुविधाओं का निर्माण किया है, और निर्यात किए गए उत्पाद को मूल रूप से वियतनाम में उत्पन्न होने की घोषणा की है। निर्यातक के दावे को सीमा शुल्क अधिकारियों ने स्वीकार कर लिया है। निर्यातक ने चीन से अपनी संबंधित इकाई से कच्चे माल की बिक्री की है और कंपनी द्वारा प्राप्त कच्चा माल भी विचारार्थ उत्पाद के क्षेत्र में है। निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय इस पहलू पर ध्यान दिया गया है।

- ड. निर्यातक के वैकल्पिक भागीदारी अथवा भ्रामक जानकारी के विवाद के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तर देने वाला निर्यातक इस तथ्य का खंडन नहीं किया है कि उन्होंने चीन में अपने स्वयं के संबद्ध निर्माता, जिसने वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है, से तरल कोलीन क्लोराइड खरीदा है।
- च. जैसा कि घरेलू उद्योग का विवाद है कि वियतनाम से आपूर्ति की जाने वाली वस्तुओं में चीनी मूल का सामान होता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह मामला सीमा शुल्क अधिकारियों का है कि वे उत्पत्ति के नियमों के अनुसार आयात के समय उसी की जांच करें और यह वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र में नहीं है। प्राधिकारी ने माना है कि माल की उत्पत्ति वियतनाम से होती है, जैसा कि सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा माना जाता है।
- छ. जैसा कि एडीडी के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि के माध्यम से उपभोक्ताओं पर प्रभाव के संदर्भ में विवाद का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पार्टी ने महज एक बयान दिया गया है और कोई प्रमाण डेटा / जानकारी अपने विवाद को पुष्ट करने के प्रदान नहीं की गई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने मात्रात्मक जानकारी प्रस्तुत की है और प्राधिकारी द्वारा आयोजित पिछली जांच को संदर्भित किया है, जिसमें प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के अनुरोधों को नोट किया था कि चिकन फ्रीड के रूप में चोलिन क्लोराइड की लागत अत्यधिक महत्वहीन अनुपात का गठन करती है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटन- रोधी उपायों का उद्देश्य निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करना और स्तरीय खेल मैदान प्रदान करना है। आयात को प्रतिबंधित या उत्पादों की लागत में एक अनुचित वृद्धि का कारण है। एडीडी का उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को किसी भी प्रकार का अनुचित लाभ नहीं देना है। न ही कोई उपभोक्ता सही दामों पर, पटित की गई कीमतों पर किसी उत्पाद तक पहुंच प्राप्त कर सकता है, खासकर जब ऐसे पाटन के कारण भारत में स्थापित उद्योग को क्षति पहुंची हो। इसका उद्देश्य अनुचित पाटन के कारण क्षति घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने का है। हालांकि, पाटन रोधी उपायों के लागू होने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। पाटन- रोधी कर्तव्यों का प्रभाव उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

#### छ. बाजार अर्थव्यवस्था उपचार(एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन का निर्धारण

29. धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन

*निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्भूत वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।*

## छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

30. सामान्य उद्योग के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध किए गए हैं :

- क. वर्तमान उद्देश्यों के लिए चीन और वियतनाम को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए।
- ख. पिछले मामलों में प्राधिकारी और अन्य देशों में जांच अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णय के क्रम में, चीनी उत्पादकों द्वारा दर्शाए गए लागत और कीमत को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है। तदनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ग. आवेदक ने प्रशासनिक और विक्रय व्यय और लाभ की उचित राशि के साथ भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के आधार पर सम्बद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
- घ. वियतनाम में उत्पादकों चीन से कोलीन क्लोराइड को तरल रूप में आयात कर रहे हैं, उसका प्रसंस्करण कर रहे हैं और भारत को निर्यात कर रहे हैं। प्राधिकारी को उत्पादक को कोलीन क्लोराइड के केवल एक संसाधक के रूप में न कि निर्माता के रूप में माना जाना चाहिए। विचाराधीन उत्पाद के एक रूप को दूसरे रूप में रूपांतरित करना एक निरर्थक उत्पादन गतिविधि है और मूल्य वर्धन वृद्धिशील है। प्राधिकारी को वियतनाम उत्पादकों को अलग-अलग पाटन मार्जिन नहीं देना चाहिए।
- ड. मलेशिया और वियतनाम में उत्पाद के उत्पादकों द्वारा खपत किए गए तरल कोलीन क्लोराइड का मूल्य तरल कोलीन क्लोराइड के बाजार मूल्य के समान माना जाना चाहिए। चीन से खरीदी की कीमत पर विचार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इस सामग्री को संबद्ध चीनी आपूर्तिकर्ता से प्राप्त किया जाता है और सामग्री अपने आप में विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा है।
- च. अन्य देशों के सीमा शुल्क के आंकड़ें दर्शाते हैं कि तरल कोलीन क्लोराइड का उत्पादन केवल यूरोपीय संघ, चीन, अमेरिका, भारत में महत्वपूर्ण मात्रा में किया जाता है और विभिन्न देशों में निर्यात किया गया है और इसलिए तरल कोलीन क्लोराइड की कीमत यूरोपीय संघ या संयुक्त राज्य अमेरिका में इसकी कीमतों पर विचार किया जा सकता है।
- छ. मलेशिया में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों में से किसी ने भी प्रश्नावली संबंधी प्रतिक्रिया दर्ज नहीं की है। व्यापार नक्शा आँकड़ों के अनुसार, मलेशिया भी अन्य देशों से कोलीन क्लोराइड के तरल रूप आयात कर रहा है, उसका प्रसंस्करण कर रहा है और भारत को निर्यात कर रहा है। प्राधिकारी को तरल कोलीन क्लोराइड की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और रूपांतरण लागत के संबंध में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करके मलेशिया में सामान्य मूल्य निर्धारित करना चाहिए।
- ज. सम्बद्ध देशों से आयात का पाटन मार्जिन सकारात्मक और सामान्य से अधिक है।

## छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

31. निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा सामान्य मूल्य के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

- क. यूरोपीय संघ, जो कि है एक महंगा बाजार है, के लिए \*\*\* अमरीकी डालर / मीट्रिक टन की सामान्य मूल्य की तुलना में चीन जन.गण., वियतनाम और मलेशिया के लिए विनिर्मित सामान्य मूल्य लगभग \*\*\* अमरीकी डालर/ मीट्रिक टन बहुत अधिक है। यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की लागत को बढ़ाया गया है और घरेलू उद्योग की यह उच्च लागत उसकी अपनी क्षति के लिए जिम्मेदार है।
- ख. निवल निर्यात कीमत अविश्वसनीय है क्योंकि इसकी गणना के लिए उपयोग की जाने वाली गणना अथवा कार्यप्रणाली के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।
- ग. वियतनाम से आयातों का शुद्ध निर्यात मूल्य यूरोपीय संघ से आयात के निर्यात मूल्य से बहुत अधिक है। इस प्रकार, वियतनाम के लिए पाटन मार्जिन यूरोपीय संघ के पाटन मार्जिन से बहुत कम होना चाहिए। यूरोपीय संघ के लिए निवल निर्यात मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर / मीट्रिक टन है और प्राधिकारी ने



यूरोपीय संघ के लिए पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से कम के रूप में माना हैं। अतः वियतनाम के लिए भी पाटन मार्जिन न्यूनतम होना चाहिए है, क्योंकि वियतनाम के लिए निवल निर्यात मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर / मीट्रिक टन है। इन देशों के लिए सामान्य मूल्यों के बीच कोई अधिक अंतर नहीं है।

- घ. प्राधिकारी को सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन का आकलन करने के लिए आवेदक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। प्राधिकारी को निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए सत्यापन योग्य जानकारी को अपनाना चाहिए।
- ड. वियतनाम के निर्माता उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण निर्माण प्रक्रिया का कार्य करते हैं। कच्चे माल से लेकर तैयार माल के स्तर तक मूल्य संवर्धन के मात्रा निर्धारण की पाटन- रोधी जांच में कोई प्रासंगिकता नहीं है।

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

#### छ 3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण

##### छ 3.1.1 चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति

32. चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है: "जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

- (क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:
- (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में

*समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियाँ एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"*

33. यह नोट किया जाता है कि जबकि, अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान दिनांक 11.12.2016 को समाप्त हो गया है, परिग्रहण प्रोटोकॉल के 15 (क) (i) के तहत दायित्व के साथ पठित, डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का दावा करने के लिए निर्धारित स्वरूपों में प्रदान की जाने वाली सूचना / आंकड़ों के माध्यम से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को संतुष्ट किया जाना होता है। चूंकि चीन जन.गण. के किसी उत्पादक ने प्रश्नावली प्रतियुत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण एडी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना आवश्यक है।

### **छ 3.2.1 चीन के समस्त उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

34. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी निर्माता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध के पैरा 7 के अनुसार किया गया है, जिसमें प्रावधान है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरा देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा निर्मित मूल्य अथवा भारत सहित अन्य देशों के लिए ऐसे तीसरे देश से कीमत या जहां यह संभव नहीं है, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान या देय मूल्य सहित या किसी अन्य उचित आधार पर, विधिवत समायोजित यदि आवश्यक हो, एक उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए, के आधार पर किया जाएगा।
35. घरेलू उद्योग सहित कोई भी हितबद्ध पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य अथवा भारत सहित ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों में मूल्य के निर्धारण की कोई जानकारी प्रदान नहीं की है। नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के तहत निर्धारित अन्य विधियों के संबन्ध में प्राधिकारी ने नियमों के तहत रिकॉर्ड की पर्याप्त जानकारी के अभाव में, "किसी भी अन्य उचित आधार" पर विचार करके सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है, जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और उचित लाभ सहित विधिवत समायोजन शामिल हैं। निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य को नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लेख किया गया है।

### **छ 3.1.3 मलेशिया के समस्त उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

36. मलेशिया से किसी भी निर्माता ने प्रश्नावली प्रतिक्रिया दर्ज नहीं की है। चूंकि किसी भी निर्माता/ निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है, सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6 (8) के संदर्भ में उपलब्ध एफटीएस के आधार पर किया गया है।
37. उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। तदनुसार, मलेशियाई उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

### **छ.3.1.4 वियतनाम के समस्त उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लिमिटेड, वियतनाम और मैसर्स जीएचडब्ल्यू धारक कंपनी, हांगकांग और उनसे संबंधित आयातक मैसर्स नुवोमोंडो केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई द्वारा निर्यातक की प्रश्नावली का प्रतियुत्तर प्रस्तुत कर दिया गया है। मैसर्स जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लिमिटेड, वियतनाम में एक निर्माता / निर्यातक है। मैसर्स जीएचडब्ल्यू धारक कंपनी, हांगकांग एक व्यापारी है और मैसर्स नुवोमोंडो केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई उनका संबंधित आयातक है। तथापि मैसर्स जीएचडब्ल्यू धारक कंपनी, हांगकांग प्रस्तुत किया है कि उसने हेवे समूह (पीआरसी) द्वारा चीन में उत्पादित माल का निर्यात भारत में किया और वियतनाम में उत्पादित माल का निर्यात नहीं किया है। उसने विचार करते हुए प्रश्नावली प्रतियुत्तर दर्ज किया था जिसमें कहा गया था कि संबंधित चीनी निर्माता प्रश्नावली प्रतियुत्तर दर्ज करेंगे। चूंकि चीनी निर्माता ने प्रश्नावली प्रतियुत्तर दर्ज नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी ने मैसर्स जीएचडब्ल्यू धारक कंपनी, हांगकांग द्वारा दायर प्रश्नावली के प्रतियुत्तर की अनदेखी की है।

### **मै. जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कं. लि. वियतनाम**

39. घरेलू उद्योग के इस विवाद के संबंध में है कि वियतनाम से आपूर्ति की जाने वाली वस्तुएं, उत्पत्ति के नियम के तहत निर्धारित न्यूनतम मूल्य संवर्धन के मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं, यह नोट किया जाता है कि इसकी जांच आयात के समय सीमा शुल्क प्राधिकरणों द्वारा की जानी होती है और यह मामला वर्तमान जांच के क्षेत्र के बाहर है।
40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने चीन की अपनी संबंधित कंपनी से तरल कोलीन क्लोराइड खरीदा है। चीनी कंपनी तरल कोलीन क्लोराइड के उत्पादन में संलग्न है और उसने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। इसके अलावा, तरल कोलीन क्लोराइड वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद का एक रूप है। ऐसी परिस्थितियों में, प्राधिकारी का मानना है कि कंपनी द्वारा खरीद की गई कीमत को उसके उत्पादन की लागत के निर्धारण के लिए नहीं अपनाया जा सकता है। तदनुसार, प्राधिकारी ने सूखे कोलीन क्लोराइड के उत्पादन की लागत निर्धारित करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर तरल कोलीन क्लोराइड के उत्पादन की लागत को लिया है और उसमें कंपनी के वास्तविक रूपांतरण लागत को जोड़ दिया है। इसके अलावा, चूंकि कंपनी द्वारा की गई सभी घरेलू बिक्री सूखी कोलीन क्लोराइड के उत्पादन की लागत से कम है, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है, इसलिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए उत्पादन की ऐसी लागत में 5% का लाभ मार्जिन जोड़ा गया है।

### **छ.3.2. निर्यात कीमत का निर्धारण**

#### **छ.3.2.1 मै. जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कं. लि., वियतनाम**

41. प्रतियुत्तर के जांच के बाद, निर्यातक के आँकड़ों को प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया था। डीजीसीआई एवम एस के आँकड़ों की भी जांच की गई है और उसे निर्यातक द्वारा दर्ज की गई प्रभावली प्रतिक्रिया के साथ और परस्पर जोड़ दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के प्रभावली अनुसार जांच की अवधि के दौरान वियतनाम के आयात के आंकड़ों डीजीसीआई एण्ड एस के आँकड़ों की तुलना में अधिक है। प्राधिकारी ने उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों को निर्यात मूल्य के निर्धारण के लिए स्वीकार कर लिया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने पीओआई के दौरान भारत में \*\*\* अमरीकी डॉलर प्रति मी.ट की औसत सीआईएफ कीमत पर सम्बद्ध वस्तुओं के \*\*\* मी.ट के निर्यात से जुड़े 22 लेन-देन की रिपोर्ट की थी। बिक्री की संपूर्णता वस्तु के शुष्क रूप की है। निर्यातक द्वारा एक्स फैक्ट्री स्तर पर कीमतों को लाने के लिए अंतर्देशीय माल ढुलाई, हैंडलिंग शुल्क, अंतरदेशीय भाड़ा, बीमा, नकद ऋण, बैंक शुल्क और व्यापारियों के एसजीए के आधार पर मूल्य के समायोजन किए गए हैं, जैसा कि निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट की गई है। तदनुसार, मेसर्स जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लिमिटेड, वियतनाम के लिए एक्स फैक्ट्री स्तर पर \*\*\* अमरीकी डॉलर प्रति किलोग्राम के रूप में शुद्ध निर्यात मूल्य निर्धारित किया जाता है।

#### **छ.3.2.2 असहयोगी उत्पादक/निर्यातक**

42. वियतनाम से किसी अन्य निर्माता/निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया। प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर वियतनाम से उत्तर नहीं देने वाले निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। प्राधिकारी ने सहयोग नहीं करने वाले निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य के निर्धारण हेतु उत्तर देने वाले निर्यातक के आँकड़ों का उपयोग किया है। कीमतों को एक्स फैक्ट्री स्तर पर लाने के लिए अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग शुल्क, अंतरदेशीय भाड़ा, बीमा, नकद ऋण, बैंक प्रभार के आधार पर मूल्य समायोजन किए गए हैं।

#### **छ.3.2.3 चीन तथा मलेशिया के लिए निर्यात कीमत**

43. चूंकि चीन और मलेशिया के किसी भी उत्पादकों / निर्यातकों ने प्रभावली का उत्तर नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकारी ने चीन और मलेशिया के सभी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य का निर्धारण औसत आयात मूल्य के आधार पर किया है जैसा कि डीजीसीआईएस एवम एस आयात आंकड़ों में बताया गया है। एक्स फैक्ट्री स्तर पर कीमतों को लाने के लिए अंतर्देशीय भाड़ा, हैंडलिंग शुल्क, महासागर भाड़ा, बीमा, नकद ऋण, बैंक प्रभार के आधार पर मूल्य समायोजन किए गए हैं।

#### **छ.3.3 पाटन मार्जिन**

44. एक्स फैक्ट्री स्तर पर सामान्य मूल्य और शुद्ध निर्यात मूल्य पर विचार करते हुए सम्बद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। उक्त निर्धारण नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित है।

| देश     | निर्यातक                      | सामान्य मूल्य | निवल निर्यात कीमत | पाटन मार्जिन | पाटन मार्जिन | पाटन मार्जिन % |
|---------|-------------------------------|---------------|-------------------|--------------|--------------|----------------|
|         |                               | अम.डॉ./मी.ट.  | अम.डॉ./मी.ट.      | अम.डॉ./मी.ट. | %            | रेंज           |
| चीन     | समस्त                         | ***           | ***               | ***          | ***          | 70-80          |
| वियतनाम | जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कं. लि. | ***           | ***               | ***          | ***          | 30-40          |
| वियतनाम | शेष                           | ***           | ***               | ***          | ***          | 40-50          |
| मलेशिया | समस्त                         | ***           | ***               | ***          | ***          | 70-80          |

### क्षति निर्धारण तथा क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच के लिए पद्धति

#### छ.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

45. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. क्षति की अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन और खपत के साथ-साथ आयात की मात्रा में सम्पूर्ण रूप से बड़े पैमाने पर वृद्धि देखी गई है।
- ख. आयात से भारतीय बाजार में आवेदक की कीमतों कम हो रही हैं। हालांकि बिक्री की कीमतों में वृद्धि हुई है, किंतु उत्पादन लागत में वृद्धि की तुलना में यह वृद्धि कम है। मूल्य में रुकावट का कारण आयात बन रहे हैं।
- ग. घरेलू उद्योग पर पाटित किए गए आयातों के प्रभाव के संबंध में, घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार प्रस्तुत किया है।
  - i. जहाँ समग्र उत्पादन में वृद्धि हुई, मांग की तुलना में उत्पादन में वृद्धि कम है और मांग में वृद्धि की सीमा तक बिक्री में वृद्धि नहीं हुई है। आवेदक ने घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता बढ़ाई। लेकिन निरंतर आयात के कारण, अतिरिक्त क्षमता काफी हद तक अप्रयुक्त रह गई है, इस प्रकार, क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
  - ii. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग का बाजार में हिस्सा कम हो गया।
  - iii. इनपुट कीमतों में निरंतर वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री की लागत में लगातार वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। बिक्री मूल्य और उत्पादन की लागत दोनों में वृद्धि होने पर भी, क्षति की पूरी अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि की तुलना में बिक्री की कीमत में वृद्धि कम थी।
  - iv. घरेलू उद्योग के लाभ में इस हद तक गिरावट होने लगी कि घरेलू उद्योग को अब वित्तीय हानि होने लगी है। इसके परिणामस्वरूप, नकद लाभ, पीबीआईटी और आरओसीई में भी समान प्रवृत्ति हुई और क्षति की अवधि में काफी गिरावट आई।
  - v. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने पीओआई में एक सांकेतिक वृद्धि के साथ मालसूची में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाई है।
  - vi. क्षति की अवधि में रोजगार और मजदूरी में वृद्धि हुई। आवेदक कुछ अन्य वस्तुओं का भी उत्पादन करता है और इसलिए रोजगार और मजदूरी केवल सम्बद्ध वस्तु के निष्पादन पर निर्भर नहीं होते हैं।
  - vii. पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु पर्याप्त भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव प्रतिकूल है।

- viii. अधिकांश मानकों, जैसे उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सेदारी, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, आदि के संदर्भ में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक है।
- घ. घरेलू उद्योग को अन्य कारकों अर्थात् घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन, खपत के तरीके में परिवर्तन, व्यापार सम्बंधी प्रतिबंधक प्रथाओं विदेशी और घरेलू निर्माता के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास और निर्यात निष्पादन के कारण क्षति नहीं है।
- ड. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए, घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं।
  - i. न्यूनतम आयात के विवाद के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है पाटन रोधी शुल्क के समाप्त होने से वियतनाम और मलेशिया जैसे संबद्ध देशों से पाटन न सिर्फ आरंभ हुआ है, अपितु महत्वपूर्ण रूप से बढ़ गया है।
  - ii. जैसा कि इस विवाद कि क्षति नए उत्पाद के कारण है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि आवेदक द्वारा कोई नए उत्पाद का निर्माण नहीं किया गया है। मौजूदा उत्पाद को नए अनुप्रयोग के लिए बेच दिया गया है। इसके अलावा, तेल और गैस उद्योग के लिए कोलीन क्लोराइड की ऐसी बिक्री बहुत कम है।
  - iii. सम्बद्ध देशों से आयात का योगदान का प्रतिशत कुल आयात और मांग में बहुत अधिक है।
  - iv. जैसा कि इस विवाद कि इसमें कोई क्षति नहीं है, यह प्रस्तुत किया गया है कि विभिन्न मात्रा और मूल्य मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब हो गया है।
  - v. 2015-16 और 2016-17 के दौरान चीन के लिए पाटन-रोधी शुल्क अस्तित्व में था, जिसके कारण आयात नहीं हुए थे। दिसंबर 2017 में एक बार शुल्क समाप्त होने के बाद न केवल चीन से बल्कि अन्य सम्बद्ध देशों से भी आयात में वृद्धि होने लगी।
  - vi 2017-18 की तुलना में पीओआई में वियतनाम से कीमतों में वृद्धि हुई है, लेकिन घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री मूल्य से अत्यधिक कम बनी हुई है।
  - vii. मूल्यहास में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई है और मूल्यहास का हिस्सा लागत की तुलना में अत्यधिक कम है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा उठाई क्षति का कारण मूल्य हास में वृद्धि होना नहीं है।
  - viii. तेल और गैस क्षेत्र में उपयोग होने वाले कोलीन क्लोराइड के निर्माण के लिए कोई अतिरिक्त आरएंडडी लागत नहीं है।
  - ix. यदि तेल और प्राकृतिक गैस के अनुप्रयोग में छूट दी जाती है, तो कोई भी आयातक तेल और गैस बाजार में उपयोग की आड़ में तरल कोलीन क्लोराइड का आयात कर सकता है और सूखी कोलीन क्लोराइड के निर्माण के लिए उसका उपयोग कर सकता है और अनुप्रयोग के लिए उसी का उपयोग कर सकता है।
  - x. मैसर्स.जुबिलेंट लाइफ साइंसेज की वार्षिक रिपोर्ट के संदर्भ में, यह है प्रस्तुत किया गया कि वार्षिक रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद के निष्पादन में कुछ अन्य कारणों के चलते विकृति हुई है।
  - xi. घरेलू उद्योग की क्षति किसी अन्य कारक के कारण नहीं हुई है। सम्बद्ध वस्तुओं की पाटन और घरेलू उद्योग में क्षति के बीच एक स्पष्ट सामान्य संबंध है।

## छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

46. क्षति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. वर्ष 2015-16 और 2016-17 में सम्बद्ध देशों से कोई आयात नहीं किया गया था। 2017-18 में केवल वियतनाम ने निर्यात किया है। इसलिए 2015-16 से 2017-18 तक हुई कोई भी क्षति को सम्बद्ध आयात के लिए बिल्कुल भी जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।
- ख. वियतनाम से आयात कुल सम्बद्ध आयात का 51% है, और मलेशिया और चीन जन.गण.से सबद्ध आयात की प्रमात्रा अत्यंत महत्वहीन है तथा पीओआई में सीआईएफ मूल्य में वृद्धि हुई है।



- ग. तेल और गैस क्षेत्र के लिए सूखी और तरल कोलीन क्लोराइड हेतु सम्बद्ध देशों से कोई विभेदित आयात प्रदान नहीं किया गया है।
- घ. अलग-अलग बाजारों के लिए अलग-अलग क्षति विश्लेषण की आवश्यकता होती है जैसे कि तेल और गैस उद्योग में पशुओं के चारे और तरल कोलीन क्लोराइड के लिए सूखी कोलीन क्लोराइड।
- ड. संबद्ध आयात के कारण घरेलू उद्योग को कोई सामाग्री संबंधी क्षति नहीं हो रही है। किसी भी क्षति की नहीं होने की स्थिति में, जो नकारात्मक क्षति मार्जिन में परिलक्षित होती है, यह पता लगाया जा सकता है कि सामान्य कारक के दावों में भी कोई सच्चाई नहीं है और इसे निरस्त कर दिया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग के सुसंगत आर्थिक मापदंडों में सुधार है।
- च. चूंकि क्षति का मार्जिन यूरोपीय संघ से नकारात्मक है, वियतनाम के लिए क्षति का मार्जिन सकारात्मक नहीं हो सकता है, क्योंकि वियतनाम से आयात को उतारने की कीमत स्पष्ट रूप से यूरोपीय संघ की तुलना में अधिक थी। प्राधिकारी को वियतनाम को जांच क्षेत्र से बाहर करना चाहिए।
- छ. एनएसआर घरेलू उद्योग के एनआईपी से अधिक है। तदनुसार, घरेलू उद्योग एनआईपी से अधिक लाभ अर्जित कर रहा है और पर्याप्त आरओसीई अर्जित कर रहा है।
- ज. तेल और गैस के लिए कोलीन क्लोराइड के नवोत्पादन व्यापार अस्थिरता का कारण बना है और आगे उत्पादन लाइन में अनियमितता बना कर रहा है जो बाजार को अस्थिर बना सकते हैं जिससे आपूर्ति की कमी हो सकती है।
- झ. वित्तीय रिपोर्ट कई अन्य कारणों जैसे अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त निवेश, आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाली अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सम्पूर्ण आर्थिक गतिविधियाँ, जीएसटी में निरंतर परिवर्तन, कच्चे तेल, विलायक द्रव्यों और अन्य रसायनों की ज्वलनशीलता है को दर्शा रहा है जो पीओआई के दौरान क्षति पहुंचा सकते थे।
- ञ. पाटित नहीं किए गए आयात के कारण कुछ आर्थिक मापदंडों में गिरावट है क्योंकि यूरोपीय संघ और वियतनाम से आयात की पाटन मार्जिन नकारात्मक है।
- ट. प्रदान किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि पाटित किए गए आयात के कारण कोई मूल्य प्रभाव नहीं है।
- ठ. क्षति, यदि कोई हो, बड़ी मात्रा निर्यात बिक्री के कारण है और हॉनियॉ होने के आयात के अलावा अन्य कारण है। निर्यात बिक्री में अत्यधिक अंतर के परिणामस्वरूप होने वाली हॉनियॉ किसी भी क्षति का कारण हो सकती है।
- ड. 2016-17 से पीबीआईटी में गिरावट हो रही है, जब कोई सम्बद्ध आयात नहीं था। लागत में वृद्धि का कारण मूल्यह्रास लागत में वृद्धि हो सकती है जिसमें 25% वृद्धि हुई। लागत में इतनी वृद्धि के कारण प्रति यूनिट पीबीआईटी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आवेदक निर्यात बाजार की तुलना में भारत में एक उच्च बिक्री प्राप्ति अर्जित कर रहा है। आवेदक की लागत लगातार बढ़ रही है, जो व्यवसाय की एक नए क्रम के स्थापन का कारण हो सकती है।
- ढ. उत्पाद के लिए भारतीय माँग का लगभग 90% घरेलू उद्योग के पास है।
- ण. भारतीय पोल्ट्री क्षेत्र ने कोलीन क्लोराइड में भारी माँग और आपूर्ति के अंतर को देखा है। पाटन-रोधी शुल्क माँग और आपूर्ति के अंतर को बनाएगा जिसके परिणामस्वरूप होगा भारतीय निर्माताओं से मूल्य में वृद्धि होगी।

### छ. 3 प्राधिकारी की जांच

47. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर क्षति के लिए हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों पर ध्यान दिया है और रिकॉर्ड तथा लागू कानूनों पर उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए इसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के प्रश्नावली उत्तर के अनुसार आयात जांच की अवधि के लिए वियतनाम के लिए डीजीसीआई एण्ड एस आंकड़ों की तुलना में अधिक सूचित किया गया है और इसलिए प्राधिकारी ने विदेशी निर्माता/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई प्रश्नावली उत्तर के अनुसार आयात आंकड़ों पर विचार किया है।

**छ. 3.1 संचयी मूल्यांकन**

48. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) में यह प्रावधान है कि ऐसे मामलों में जहां एक से अधिक देशों के उत्पाद के आयात एक साथ पाटनरोधी जांच के अधीन किए जा रहे हैं, प्राधिकारी इस तरह के आयात के प्रभाव का मूल्यांकन करेंगे, यदि उसमें निर्धारित किया जाता है कि:

- क. प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए गए दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात का आयतन सदृश वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत (या अधिक) है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से सदृश वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक के लिए उत्तरदायी है, और
- ख. आयातित उत्पाद सदृश घरेलू उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करते हैं।

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. विभिन्न संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की जाने वाली संबद्ध वस्तुएं सदृश वस्तुएं हैं।
- ख. संबद्ध वस्तुओं को भारत से संबद्ध देशों में पाटन किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देशों से पाटन का मार्जिन नियमावली के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ग. प्रत्येक संबद्ध देशों से आयात की मात्रा व्यक्तिगत रूप से आयात की कुल मात्रा के 3% से अधिक है।
- घ. जिन कीमतों पर सामान का निर्यात देशों से किया जा रहा है, वे भारतीय बाजार में इन स्रोतों से आयात के बीच एक स्पष्ट अंतर प्रतिस्पर्धा का संकेत देते हैं।
- ड. पाटित की गई आयातित वस्तुओं और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा मौजूद है।

50. उपरोक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करना उचित होगा।

51. मात्रा और मूल्य प्रभाव दोनों की जांच करके नियमों को हुई क्षति की जांच करने के लिए प्राधिकारी की आवश्यकता होती है। क्षति के निर्धारण में पाटित किए गए आयात की मात्रा (क) दोनों की एक उद्देश्य परीक्षा शामिल है और घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित किए गए आयात का प्रभाव जैसे वस्तु और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव पड़ता है। पाटित किए गए आयात की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष पाटन आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है या नहीं। कीमतों पर पाटन किए गए आयात के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या पाटन किए गए आयातों की भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना में महत्वपूर्ण मूल्य कम है, या क्या इस तरह के आयातों का प्रभाव है अन्यथा एक महत्वपूर्ण डिग्री तक कीमतों में ह्रास या मूल्य वृद्धि को रोकना जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण डिग्री के लिए होता है।

**छ. 3.2 घरेलू उद्योग से संबंधित पाटित किए गए आयात का मात्रात्मक प्रभाव****(क) मांग/स्पष्ट उपभोग का आकलन**

52. भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में निर्धारित की गई है। विचाराधीन उत्पाद के लिए मूल्यांकन की गई मांग नीचे दी गई है:

| विवरण        | यूओएम      | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई    |         |
|--------------|------------|---------|---------|---------|----------|---------|
|              |            |         |         |         | वास्तविक | वार्षिक |
| संबद्ध देश   | मीट्रिक टन | -       | -       | 208     | 1,124    | 899     |
| (क) चीन पीआर | मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 324      | 259     |
| (ग) वियतनाम  | मीट्रिक टन | -       | -       | 208     | ***      | ***     |
| (ख) मलेशिया  | मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 208      | 166     |

|                          |            |     |     |     |     |     |
|--------------------------|------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| अन्य देश                 | मीट्रिक टन | 72  | 362 | 671 | 270 | 216 |
| घरेलू उद्योग बिक्री      | मीट्रिक टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| अन्य उत्पादकों की बिक्री | मीट्रिक टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| कुल मांग                 | मीट्रिक टन | *** | *** | *** | *** | *** |

53. यह देखा गया है कि उत्पाद की मांग ने क्षति की अवधि में सकारात्मक रुझान दिखाया है।

#### (ख) संबद्ध देशों से आयात मात्रा

54. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है-

| आयात मात्रा                     | यूओएम      | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई  | पीओआई (क) |
|---------------------------------|------------|---------|---------|---------|--------|-----------|
| संबद्ध देश                      |            | -       | -       | 208     | 1,124  | 899       |
| चीन जन.गण.                      | मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 324    | 259       |
| वियतनाम                         | मीट्रिक टन | -       | -       | 208     | ***    | ***       |
| मलेशिया                         | मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 208    | 166       |
| अन्य देश                        | मीट्रिक टन | 72      | 362     | 671     | 270    | 216       |
| कुल                             | मीट्रिक टन | 72      | 362     | 879     | ***    | ***       |
| <b>आयात में शेयर</b>            |            |         |         |         |        |           |
| संबद्ध देश                      | %          | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 80-100 | 80-100    |
| चीन जन.गण.                      | %          | 0.00    | 0.00    | 0.00    | 20-30  | 20-30     |
| वियतनाम                         | %          | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 40-50  | 40-50     |
| मलेशिया                         | %          | 0.00    | 0.00    | 0.00    | 10-20  | 10-20     |
| अन्य देश                        | %          | 100.00  | 100.00  | 76.34   | 10-20  | 10-20     |
| कुल                             | %          | 100.00  | 100.00  | 100.00  | 100.00 | 100.00    |
| <b>के संबंध में संबद्ध आयात</b> |            |         |         |         |        |           |
| भारतीय उत्पादन                  | %          | 0.00    | 0.00    | 1.16    | 5.05   | 5.05      |
| उपभोग                           | %          | 0.00    | 0.00    | 1.18    | 5.07   | 5.07      |
| कुल आयात                        | %          | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 80-100 | 80-100    |

55. यह देखा गया है कि

क. क्षति की अवधि में संबद्ध देशों से आयात निरपेक्ष रूप से बढ़ा है। जबकि 2016-17 तक संबद्ध देशों से कोई आयात नहीं हुआ, 2017-18 में वियतनाम से आयात शुरू हुआ, जबकि पीओपी में ही चीन जन. गण. और मलेशिया से शुरू हुआ।

ख. भारत में उत्पाद के आयात, उत्पादन और खपत के संबंध में आयात में वृद्धि हुई है।

#### छ.3.3 घरेलू उद्योग के संबंध में पाटन किए गए आयात का मूल्य प्रभाव

56. घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव, देशों से पाटन किए गए आयात के कारण कीमत की कटौती, कम कीमत पर बिक्री और ह्रास और न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के उद्देश्य से बिक्री की लागत, शुद्ध बिक्री वसूली (एनएसआर) और घरेलू उद्योग के गैर-अस्वाभाविक मूल्य (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयात के उतरे हुए भाव के साथ की गई है।

**(क) कीमत कटौती**

57. कीमत कटौती के विश्लेषण के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग के शुद्ध विक्रय मूल्य की तुलना प्रत्येक संबद्ध देशों से आयात पहुंच मूल्य के साथ की गई है। दो प्रकारों के लिए अलग-अलग मूल्य कम करने को निर्धारित किया गया है और उसके बाद उत्पाद के लिए निर्धारित किया गया है।

| देश                  |                  | चीन    | वियतनाम | मलेशिया |
|----------------------|------------------|--------|---------|---------|
| आयात मात्रा          | मीट्रिक टन       | 315    | ***     | 208     |
| पहुंच आयात कीमत      | रुपये/मीट्रिक टन | 61,587 | ***     | 58,767  |
| निवल बिक्री प्राप्ति | रुपये/मीट्रिक टन | ***    | ***     | ***     |
| कीमत कटौती           | रुपये/मीट्रिक टन | ***    | ***     | ***     |
| कीमत कटौती           | %                | ***    | ***     | ***     |
| कीमत कटौती           | % रेंज           | 20-30  | 10-20   | 20-30   |

58. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से संबद्ध देशों से आयात काफी कम कीमत पर होता है। आयात, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहे थे।

**(ख) कीमत ह्रास और न्यूनीकरण**

59. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित किए गए आयात घरेलू कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या इस तरह के आयातों का प्रभाव कीमतों को एक महत्वपूर्ण डिग्री तक दबाने या मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए है जो अन्यथा सामान्य रूप से घटित होता है, लागत और कीमतों में बदलाव क्षति की अवधि की तुलना और आयात मूल्य के साथ निम्नलिखित रूप से विचार किया गया है:

| विवरण               | यूओएम             | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई  |
|---------------------|-------------------|---------|---------|---------|--------|
| विक्रय मूल्य        | रुपये/ मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***    |
|                     | सूचीबद्ध          | 100     | 100     | 100     | 104    |
| बिक्री की लागत      | रुपये/ मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***    |
|                     | सूचीबद्ध          | 100     | 101     | 109     | 118    |
| <u>पहुंच मूल्य:</u> |                   |         |         |         |        |
| - चीन               | रुपये/ मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 61,587 |
| - वियतनाम           | रुपये/ मीट्रिक टन | -       | -       | 66,462  | ***    |
| - मलेशिया           | रुपये/ मीट्रिक टन | -       | -       | -       | 58,767 |
| - संबद्ध देश        | रुपये/ मीट्रिक टन | -       | -       | 66,462  | ***    |

60. यह देखा गया है कि

क. घरेलू उद्योग की बिक्री और विक्रय मूल्य की लागत के मुकाबले आयातों की कीमत काफी कम है;

ख. क्षति की अवधि में बिक्री की लागत बढ़ गई है। बिक्री मूल्य में बिक्री की लागत में वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है।

61. इस प्रकार यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास हो रहा था।

**कम कीमत पर बिक्री**

62. घरेलू उद्योग के क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण किया गया है और इसकी कीमत मूल्य निर्धारण की सीमा तक पहुंचने के लिए संबद्ध वस्तुओं की कम कीमत पर बिक्री के साथ तुलना की गई है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से नीचे संबद्ध आयात की कम कीमत पर बिक्री हुई थी। इस प्रकार निर्धारित किया गया कम कीमत पर बिक्री मूल्य महत्वपूर्ण है।

| देश               |                       | चीन    | वियतनाम | मलेशिया |
|-------------------|-----------------------|--------|---------|---------|
| आयात मात्रा       | मीट्रिक टन            | 315    | ***     | 208     |
| क्षतिरहित कीमत    | यूएस डॉलर/ मीट्रिक टन | ***    | ***     | ***     |
| पहुंच आयात कीमत   | यूएस डॉलर/ मीट्रिक टन | 870.73 | ***     | 830.87  |
| कम कीमत पर बिक्री | यूएस डॉलर/ मीट्रिक टन | ***    | ***     | ***     |
| कम कीमत पर बिक्री | %                     | ***    | ***     | ***     |
| कम कीमत पर बिक्री | % रेंज                | 30-40  | 0-10    | 30-40   |

**छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड**

63. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में आवश्यक है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित किए गए आयात के परिणामी प्रभाव का एक उद्देश्य जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित किए गए आयातों के परिणामस्वरूप प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली में आगे प्रावधान है कि घरेलू उद्योग के संबंध में पाटन किए गए आयात के प्रभाव की जांच में सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों और उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सूचकांकों का एक उद्देश्यपूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, निवेश पर वापसी या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर असर; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। प्राधिकारी ने क्षति के मापदंडों की निष्पक्ष रूप से जांच की है और इच्छुक पक्षों द्वारा उनके प्रस्तुतिकरण में किए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखा है।

**क. बिक्री, क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग**

64. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं: -

| विवरण                | यूओएम      | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई    |         |
|----------------------|------------|---------|---------|---------|----------|---------|
|                      |            |         |         |         | वास्तविक | वार्षिक |
| क्षमता               | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                      | सूचीबद्ध   | 100     | 100     | 119     | 119      | 119     |
| उत्पादन-लिक्रिड      | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                      | सूचीबद्ध   | 100     | 107     | 113     | 112      | 112     |
| क्षमता का उपयोग-     | %          | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                      | सूचीबद्ध   | 100     | 107     | 95      | 94       | 94      |
| घरेलू बिक्री-लिक्रिड | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                      | सूचीबद्ध   | 100     | 97      | 84      | 49       | 49      |



|                                       |            |     |     |     |     |     |
|---------------------------------------|------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| घरेलू बिक्री-ड्राय                    | मीट्रिक टन | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | सूचीबद्ध   | 100 | 112 | 107 | 114 | 114 |
| समतुल्य घरेलू बिक्री<br>(ड्राय बेसिस) | मीट्रिक टन | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | सूचीबद्ध   | 100 | 109 | 102 | 102 | 102 |

65. उपर्युक्त सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि

क. जबकि 2017-18 तक उत्पादन की अवधि में वृद्धि हुई, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई।

ख. 2016-17 तक घरेलू उद्योग की बिक्री बढ़ी। इसके बाद, घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई।

ग. 2016-17 में घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई है।

#### ख. बाजार हिस्सा

66. घरेलू उद्योग और आयात का मार्केट शेयर नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया था:

| विवरण                    | यूओएम | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई    |         |
|--------------------------|-------|---------|---------|---------|----------|---------|
|                          |       |         |         |         | वास्तविक | वार्षिक |
| संबद्ध देश               | %     | 0.00    | 0.00    | 1.18    | 5.07     | 5.07    |
| दूसरे देश                | %     | 0.43    | 2.03    | 3.82    | 1.22     | 1.22    |
| घरेलू उद्योग बिक्री      | %     | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
| अन्य उत्पादकों की बिक्री | %     | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
| कुल मांग                 | %     | 100.00  | 100.00  | 100.00  | 100.00   | 100.00  |

67. यह देखा गया है कि जहां संबद्ध आयात का मार्केट शेयर बढ़ा है, वहीं इस अवधि में घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी घट गई है।

#### ग. लाभप्रदता, निवेश और नकद लाभ

68. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निवेश और नकदी लाभ पर लाभ, नीचे दी गई तालिका में दिया गया है: -

| विवरण           | यूओएम            | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई | पीओआई (क) |
|-----------------|------------------|---------|---------|---------|-------|-----------|
| बिक्री कीमत     | रुपये/मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   | ***       |
|                 | सूचीबद्ध         | 100     | 100     | 100     | 104   | 104       |
| लागत            | रुपये/मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   | ***       |
|                 | सूचीबद्ध         | 100     | 101     | 109     | 118   | 118       |
| लाभ/हानि        | रुपये/मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   | ***       |
|                 | सूचीबद्ध         | 100     | 95      | 29      | -5    | -5        |
| लाभ/हानि        | रुपये लाख में    | ***     | ***     | ***     | ***   | ***       |
|                 | सूचीबद्ध         | 100     | 104     | 29      | -5    | -5        |
| ब्याज पूर्व लाभ | रुपये लाख में    | ***     | ***     | ***     | ***   | ***       |
|                 | सूचीबद्ध         | 100     | 101     | 37      | 12    | 12        |

|               |               |     |     |     |     |     |
|---------------|---------------|-----|-----|-----|-----|-----|
| नकद लाभ       | रुपये लाख में | *** | *** | *** | *** | *** |
|               | सूचीबद्ध      | 100 | 103 | 34  | 2   | 2   |
| नियोजित पूंजी | रुपये लाख में | *** | *** | *** | *** | *** |
|               | सूचीबद्ध      | 100 | 82  | 91  | 105 | 105 |
| आरओसीई        | %             | *** | *** | *** | *** | *** |
|               | सूचीबद्ध      | 100 | 123 | 40  | 11  | 11  |

69. उपर्युक्त से, यह देखा गया है कि:

क. घरेलू उद्योग का लाभ 2015-16 और 2016-17 के दौरान समान स्तर पर था। 2017-18 में घरेलू उद्योग के मुनाफे में काफी गिरावट आई और आगे पीओआई में। घरेलू उद्योग को पीओआई में वित्तीय नुकसान हुआ।

ख. बिक्री की लागत में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, तब भी जब विक्रय मूल्य और बिक्री की लागत दोनों में वृद्धि हुई, बिक्री मूल्य में वृद्धि बिक्री की लागत की तुलना में कम थी, जिसके परिणामस्वरूप लाभ में गिरावट आई और पीओआई में वित्तीय नुकसान भी हुआ।

ग. नकद लाभ, ब्याज से पहले लाभ और पूंजीगत लाभ पर लाभ के समान प्रवृत्ति का पालन किया और क्षति की अवधि में काफी गिरावट आई है।

#### घ. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

70. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन इस प्रकार है:

| विवरण                    | इकाई               | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई    |         |
|--------------------------|--------------------|---------|---------|---------|----------|---------|
|                          |                    |         |         |         | वास्तविक | वार्षिक |
| कर्मचारी                 | संख्या             | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                          | सूचीबद्ध           | 100     | 102     | 106     | 108      | 108     |
| प्रति दिन उत्पादकता      | मीट्रिक टन / दिन   | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                          | सूचीबद्ध           | 100     | 107     | 113     | 112      | 112     |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | मीट्रिक टन/ संख्या | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                          | सूचीबद्ध           | 100     | 104     | 107     | 103      | 103     |
| वेतन                     | रुपये लाख में      | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                          | सूचीबद्ध           | 100     | 111     | 119     | 138      | 138     |
| वेतन                     | रुपये/मीट्रिक टन   | ***     | ***     | ***     | ***      | ***     |
|                          | सूचीबद्ध           | 100     | 104     | 106     | 123      | 123     |

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में क्षति की अवधि में सुधार है। हालांकि यह ध्यान दिया गया है कि ये मापदंड देश में विभिन्न वैधानिक नियमों और घरेलू उद्योग के बहु उत्पाद संचालन के मद्देनजर घरेलू उद्योग पर पाटित किए गए आयात के प्रभाव को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

#### ड. माल सूची

72. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के साथ माल सूची की स्थिति नीचे दी गई तालिका में है:

| विवरण        | यूनिट      | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई |
|--------------|------------|---------|---------|---------|-------|
| औसत स्टॉक    | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   |
| सूचीबद्ध     |            | 100     | 66      | 86      | 173   |
| आरंभिक स्टॉक | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   |
| सूचीबद्ध     |            | 100     | 97      | 33      | 135   |
| अंतिम स्टॉक  | मीट्रिक टन | ***     | ***     | ***     | ***   |
| सूचीबद्ध     |            | 100     | 34      | 140     | 212   |

73. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के साथ सूची में 2016-17 तक गिरावट देखी गई थी, लेकिन उसके बाद पीओआई तक बढ़ गई।

#### च. वृद्धि

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्री, लाभ, बाजार हिस्सेदारी, निवेश पर वापसी, नकद लाभ और सूची आदि के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि पीओआई में नकारात्मक थी।

| विवरण                     | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | पीओआई (क) |
|---------------------------|---------|---------|---------|-----------|
| क्षमता का उपयोग           | -       | 5.81%   | -10.23% | -0.80%    |
| उत्पादन                   | -       | 6.92%   | 5.47%   | -1.01%    |
| घरेलू बिक्री              | -       | 9.32%   | -6.29%  | -0.83%    |
| बिक्री की लागत            | -       | 0.91%   | 8.51%   | 7.50%     |
| विक्रय मूल्य              | -       | 0.25%   | -0.05%  | 3.44%     |
| प्रति मीट्रिक टन लाभ/हानि | -       | -4.83%  | -69.95% | -116.34%  |
| लागत पर लाभ               | -       | 8.25%   | -29.79% | -10.51%   |
| नकद लाभ                   | -       | 3.29%   | -67.18% | -92.71%   |

#### छ. पाटन की मात्रा

75. पीओआई के दौरान प्रत्येक विषय के संबंध में पाटन मार्जिन सकारात्मक और पर्याप्त है।

#### ज. निवेश बढ़ाने की क्षमता

76. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने पाटन शुरू करने से पहले वर्ष 2017-18 में संबद्ध वस्तुओं के लिए अपनी क्षमता को बढ़ाया है। हालांकि, पाटन की शुरुआत के साथ, लाभ, नकद लाभ और घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित निवेश पर वापसी नकारात्मक हो गई, इस प्रकार यह दर्शाता है कि पाटन जारी रहने पर पूंजी निवेश बढ़ाने की उनकी क्षमता प्रभावित होगी।

#### झ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

77. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की कीमतों की जांच, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटन किए गए आयातों के अलावा अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं आदि बताते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री की कीमत कटौती घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से काफी कम है, जिससे भारतीय बाजार में महत्वपूर्ण मूल्य कम हो गया है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य विकल्प नहीं है। उत्पाद की मांग और बड़े पैमाने पर अपरिवर्तित रही है और घरेलू उद्योग द्वारा सामना किए गए कीमत ह्रास के लिए जिम्मेदार कारक नहीं हो सकता है। घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एकमात्र कारक संबद्ध देशों से

उत्पाद का आयात मूल्य और घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत है। जैसा कि सूचना से पता चलता है, जबकि बिक्री की लागत में वृद्धि हुई, घरेलू उद्योग को लागत में वृद्धि के साथ उनकी कीमतों को बढ़ाने से रोका गया।

78. संबद्ध वस्तुओं के आयात की जांच और घरेलू उद्योग का प्रदर्शन दर्शाता है कि आयात की मात्रा उत्पादन और भारत में खपत के संबंध में निरपेक्ष दृष्टि से बढ़ गया है। आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को एक महत्वपूर्ण स्तर तक कम कर रहे हैं। कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। आयातों ने मूल्य वृद्धि को रोका है जो अन्यथा घटित होती। जबकि अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है, जबकि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को इस अवधि में अपने लाभ में गिरावट का सामना करना पड़ा है और वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। घरेलू उद्योग की पूंजी पर नकद लाभ और रिटर्न में काफी गिरावट आई है। पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। पीओआई में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक थी।

79. पूर्वगामी के मद्देनजर, प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को काफी क्षति हुई है।

#### ज. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

80. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित किए गए आयातों की हानि, आयतन और मूल्य प्रभावों के अस्तित्व की जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने जांच की है कि नियमों के तहत सूचीबद्ध पाटित आयात के अलावा किसी अन्य कारक के लिए घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई जा सकती है या नहीं।

क. **तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य :** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद के आयात की मात्रा ईयू से महत्वपूर्ण है। हालांकि यह ध्यान दिया जाता है कि यूरोपीय संघ से आयात केवल लिक्विड कोलीन क्लोराइड के हैं। इसलिए, प्राधिकारी ने ईयू से आयात के मामले में पाटन मार्जिन और क्षति के मार्जिन को सामान्य मूल्य और लिक्विड कोलीन क्लोराइड के लिए एनआईपी द्वारा निर्धारित किया और पाया कि ईयू से आयात के मामले में क्षति का मार्जिन नकारात्मक था। तदनुसार, प्राधिकारी ने ईयू से आयात के संबंध में जांच शुरू नहीं करने का फैसला किया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इच्छुक पक्ष ईयू और विषय देशों से आयात मूल्य की तुलना कर रहे हैं, यह पहचान किए बिना कि यूरोपीय संघ से आयात केवल लिक्विड कोलीन क्लोराइड हैं और इसलिए सामान्य मूल्य और एनआईपी के अनुसार विचार किया जाना आवश्यक है। इच्छुक पार्टियों ने ड्राय कोलीन क्लोराइड के लिए कीमत पर विचार करके ईयू से आयात में क्षति के मार्जिन का आकलन किया है, जो कि निराशाजनक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में ड्राय कोलीन क्लोराइड के लिए एक एकल एनआईपी दिया था। इसने अपनी याचिका में तरल (75% सांद्रता की कोलीन क्लोराइड) और सूखा (60% सांद्रता की कोलीन क्लोराइड) के लिए दो एनआईपी का अलग से दावा नहीं किया था। इसलिए, एक ही स्तर पर उचित तुलना के लिए, यह अपनी याचिका में परिवर्तित किया गया था कि 75% सांद्रता के आयात आंकड़ा को इसे प्रस्तुत करने के लिए एनआईपी में प्रस्तुत किया गया था जो कि सूखा (60% सांद्रता के कोलीन क्लोराइड) के लिए था। हालांकि, प्राधिकारी ने, शुरुआत के समय, तरल और सूखे दोनों के लिए अलग से दो एनआईपी तैयार किए। और इसलिए, इसे 60% सांद्रता के बराबर बदलने के लिए 75% सांद्रता के आयात आंकड़ा की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि प्राधिकारी ने तरल के एनआईपी (75%) की तुलना तरल के आयात आंकड़ा (75%) के साथ की और ड्राय एनआईपी (60%) की तुलना आयात आंकड़ा (60%) के साथ की। तुलना से पता चला कि ईयू के मामले में क्षति का मार्जिन नकारात्मक था जिसने जांच के दायरे से ईयू को बाहर करने का वारंट किया। इस प्रकार, प्राधिकारी मानते हैं कि ईयू से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं है और इस संबंध में कारण लिंक की विफलता पर अन्य इच्छुक पार्टियों का विवाद निराधार है। अन्य सभी देशों के आयात मात्रा के संदर्भ में न्यूनतम हैं।

ख. **मांग में संकुचन :** - उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है और बड़ी क्षति की अवधि में लगभग समान रहे। इस प्रकार, मांग में गिरावट घरेलू उद्योग के लिए क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

ग. **खपत के पैटर्न में परिवर्तन:** - विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में किसी भी परिवर्तन का कोई साक्ष्य नहीं है। इसलिए, खपत के पैटर्न में परिवर्तन को घरेलू उद्योग की क्षति नहीं माना जा सकता है।

घ. **विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा:** - संबद्ध वस्तुओं का आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं है और देश में समान रूप से आयात किया जाता है। किसी भी इच्छुक पार्टी

द्वारा यह सुझाव देने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति में कोई बदलाव आया है।

ड. **प्रौद्योगिकी में विकास:** - इच्छुक पार्टियों में से किसी ने भी यह प्रदर्शित करने के लिए कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच सकती है।

च. **निर्यात प्रदर्शन:** - यहां दी गई क्षति की जानकारी केवल घरेलू बाजार के संदर्भ में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन से संबंधित है। इस प्रकार, क्षति का सामना घरेलू उद्योग के निर्यात प्रदर्शन के लिए नहीं किया जा सकता है।

### झ. कारणात्मक संबंध का निष्कर्ष

81. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन के विश्लेषण से पता चलता है कि घरेलू उद्योग का प्रदर्शन संबद्ध देशों से पाटन किए गए आयात के कारण खराब हो गया है। पाटन किए गए आयात और घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्न आधारों पर स्थापित है:

क. आयात में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री में कमी के कारण सूची में वृद्धि हुई और परिणामस्वरूप उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई।

ख. आयातित उत्पाद घरेलू उद्योग की कीमतों को काफी कम कर रहा है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग बिक्री की लागत में वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था।

ग. घरेलू उद्योग द्वारा अंकित मूल्य दमन के कारण मुनाफे में गिरावट, नकदी लाभ और पूंजीगत रोजगार पर वापसी हुई।

### ट. क्षति और क्षति मार्जिन का परिमाण

82. प्राधिकारी ने संशोधन के रूप में अनुबंध III के साथ पढ़े गए पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित मूल्य (एनआईपी) निर्धारित किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी/आंकड़ा को अपनाकर निर्धारित की गई है। क्षति के मार्जिन की गणना के लिए क्षतिरहित कीमत को संबद्ध देश से उतरी हुई कीमत की तुलना करने के लिए माना गया है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, विचाराधीन उत्पाद के लिए नियोजित औसत पूंजी (औसत शुद्ध अचल संपत्ति और औसत कार्यशील पूंजी) पर एक उचित रिटर्न (प्री-टैक्स @ 22%) को पूर्व-कर लाभ के रूप में अनुमति दी गई थी।

83. सभी गैर-सहकारी उत्पादक/निर्यातक देशों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित कीमत तय की है।

84. उपरोक्त के रूप में निर्धारित कीमत और क्षतिरहित कीमत के आधार पर, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और नीचे दी गई तालिका में प्रदान किया गया है:

| देश     | निर्यातक                            | क्षति रहित कीमत        | पहुँच आयात कीमत        | क्षति मार्जिन          | क्षति मार्जिन | क्षति मार्जिन |
|---------|-------------------------------------|------------------------|------------------------|------------------------|---------------|---------------|
|         |                                     | यूएस डॉलर / मीट्रिक टन | यूएस डॉलर / मीट्रिक टन | यूएस डॉलर / मीट्रिक टन | %             | रेंज          |
| चीन     | समस्त                               | ***                    | ***                    | ***                    | ***           | 30-40         |
| वियतनाम | जीएचडब्ल्यू (वियतनाम) कंपनी लिमिटेड | ***                    | ***                    | ***                    | ***           | 0-10          |
| वियतनाम | अवशिष्ट                             | ***                    | ***                    | ***                    | ***           | 10-20         |
| मलेशिया | समस्त                               | ***                    | ***                    | ***                    | ***           | 30-40         |



85. उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि क्षति के मार्जिन का स्तर काफी अधिक है।

#### ट. प्रकटन पश्चात अनुरोध

86. हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन पश्चात नीचे दिये गये अनुसार अनुरोध प्राप्त हुए हैं:

#### घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

- क) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग द्वारा सूचित किये गये खर्चों पर आधारित नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा सूचित किये गये खर्चों में संशोधन किया गया है। इस प्रकार संशोधन उपयुक्त और न्यायोचित नहीं है। घरेलू उद्योग इन संशोधनों के बारे में टिप्पणी करने में सक्षम नहीं है क्योंकि इन संशोधनों के लिए कारणों का उल्लेख प्रकटन विवरण में नहीं किया गया है।

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

##### मैसर्स जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कं. लिमि. द्वारा किया गया अनुरोध

- ख) कंपनी ने प्रत्यक्ष तौर भारतीय परियोजकों को तथा भारत में संबंधित आयातक अर्थात् नामतः मैसर्स नूवोमोन्डो केमिकल्स प्रा. लिमि. को भी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। हालांकि, प्रकटन विवरण के अनुसार निर्धारित पहुंच कीमत संबंधित आयातक द्वारा आयात किये गये उत्पाद की पुनः बिक्री कीमत को नहीं दर्शाता है। पहुंच कीमत का निर्धारण सीमा शुल्क अधिनियम 1975 की धारा 9क (1) (ख) में दी गई निर्यात कीमत की परिभाषा के अनुसार किया जाना चाहिए

##### मैसर्स उत्तरा इम्पेक्स प्रा. लिमि. द्वारा किया गया अनुरोध

- ग) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के तरल रूप के आयातों की तुलना विचाराधीन उत्पाद के तरल रूप के क्षति रहित कीमत और विचाराधीन उत्पाद के शुष्क रूप की क्षति रहित कीमत के साथ विचाराधीन उत्पाद के शुष्क रूप के आयातों से किया है। प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे कृपया आयात की मात्रा और अन्य विश्लेषण जैसे कीमत में कटौती और तरल एवं शुष्क रूप की कम कीमत पर बिक्री को पृथक् रूप से प्रकट करें।

#### प्राधिकारी की जांच

87. प्राधिकारी ने उन पुनरावृत्तियों जिसकी जांच पहले ही उपयुक्त रूप से और जिसका समाधान समुचित रूप से इन अंतिम जांच परिणामों के संगत पैरा में किया गया है सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये प्रकटन पश्चात अनुरोधों की जांच की है। इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/ अनुरोधों में पहली बार उठाये गये मुद्दों और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये मुद्दों की जांच नीचे की गई है।
88. क्षति रहित कीमत के संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में निर्धारित दिशानिर्देशों और प्राधिकारी द्वारा खर्चों की अनुमेयता, खर्चों का आवंटन और विभाजन के संबंध में अपनाई जा रही कार्यपद्धति के अनुसार क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति रहित कीमत की गणना प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराये गये अनुसार कच्चे माल, यूटिलिटी, आदि क्षमता के वास्तविक आंकड़ों के आधार पर किया गया है।
89. जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कं. लिमि. और नूवोमोन्डो केमिकल्स प्रा. लिमि. के दावे के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कं. लिमि. ने भारत में स्वतंत्र ग्राहकों और एक संबंधित आयातक नामतः नूवोमोन्डो केमिकल्स प्रा. लिमि. जिसने उत्तर प्रस्तुत भी किया था को भी विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया। यह देखा गया है कि संबंधित आयातक ने आगे इस संबद्ध वस्तु को बाजार में स्वतंत्र प्रयोक्ताओं को बेचा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यात मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 9 ए (1) (बी) के संदर्भ में उचित रूप से निर्धारित किया गया है।

90. मैसर्स उत्तरा इम्पेक्स के दावे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए विश्लेषण को प्रकट करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी ने समग्र रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिये सभी संगत सूचना प्रकट की है।

#### **ठ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे**

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य आमतौर पर पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा और इस कारण से उपभोक्ताओं को इन उत्पादों की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
92. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने से विचाराधीन उत्पाद और विचाराधीन उत्पाद का उपयोग करते हुए निर्माण की गई डाउनस्ट्रीम वस्तुओं की कीमत स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। परिणामस्वरूप इसका डाउनस्ट्रीम उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, चूंकि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना घरेलू उद्योग को क्षति का निवारण करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित है, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी शुल्क से कमी नहीं आयेगी। पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने से पाटन पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जायेगा, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट रुक जायेगी और विचाराधीन उत्पाद के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाये रखने में मदद मिलेगी।

#### **ड. निष्कर्ष**

93. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और किये गये अनुरोधों के संबंध में तथा उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर और इन जांच परिणामों में रिकार्ड किये गये अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि :
- I. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात इसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है और इसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।
  - II. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण हुई है।
  - III. वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के द्वारा हुई है।

#### **ढ. सिफारिश**

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच की शुरुआत की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबद्ध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संबंध में पाटन, क्षति, कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने के बाद और इस प्रकार के पाटित आयातों के द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध करने के बाद, प्राधिकारी यह मानते हैं कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना पाटन और क्षति के प्रभाव को दूर करने के लिए अपेक्षित है। इस कारण से प्राधिकारी संबद्ध देशों संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश यहां नीचे उल्लिखित रूप में और तरीके से सिफारिश करना आवश्यक मानते हैं।
95. इस नियमावली के नियम 4(घ) और नियम 17(i) (ख) में निहित प्रावधानों के संबंध में, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों के लिए लगाये जाने के लिए की जाती है।

**शुल्क तालिका**

| क्र. सं. | शीर्ष/ उपशीर्ष                        | वस्तुओं का विवरण             | उद्गम देश  | निर्यात करने वाला देश       | उत्पादक   | शुल्क राशि | मुद्रा     | इकाई   |
|----------|---------------------------------------|------------------------------|--|-----------------------------|---|------------|------------|--------|
| 1        | 2                                     | 3                            | 4  | 5                           | 6   | 7          | 8          | 9      |
| 1.       | 23099010, 23099020, 23099090 29231000 | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | चीन जन. गण.  | चीन जन. गण. सहित कोई भी देश | कोई भी  | 269        | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 2.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | चीन जन. गण., मलेशिया और वियतनाम को छोड़कर कोई भी देश | चीन जन. गण.                 | कोई भी  | 269        | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 3.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | मलेशिया  | मलेशिया सहित कोई भी देश     | कोई भी  | 315        | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 4.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | चीन जन. गण., मलेशिया और वियतनाम को छोड़कर कोई भी देश | मलेशिया                     | कोई भी  | 315        | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 5.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | वियतनाम  | वियतनाम सहित कोई भी देश     | जी एच डब्ल्यू (वियतनाम) कं. लिमि                                  | 94         | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 6.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | वियतनाम  | वियतनाम सहित कोई भी देश     | उपर्युक्त क्र. सं. 5 पर उल्लिखित उत्पादक को छोड़कर कोई भी उत्पादक | 170        | यू एस डॉलर | मी. ट. |
| 7.       | -उपरोक्त-                             | सभी रूपों में कोलीन क्लोराइड | चीन जन. गण., मलेशिया और वियतनाम को छोड़कर कोई भी देश | वियतनाम                     | कोई भी  | 170        | यू एस डॉलर | मी. ट. |

**\*टिप्पणी:** सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जायेगा।

**ण. आगे की प्रक्रिया**

96. इस सिफारिश के परिणाम केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध अपील इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जायेगी।

बी. बी. स्वैन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION****FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 25th August, 2020

**Case No. ADD-OI-12/2019**

**Subject : Final Findings in anti-dumping investigation concerning imports of “Choline Chloride in all forms” originating in or exported from China PR, Malaysia and Vietnam.**

**F. No. 6/18/2019-DGTR.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the AD Rules or the Rules).

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. The Designated Authority (herein after referred to as the Authority), received a written application from M/s Jubilant Life Sciences Ltd. (hereinafter also referred to as “the Applicant” or “the Domestic Industry”) in accordance with the Act and the Rules for imposition of Anti-dumping duty on imports of “Choline Chloride in all its forms” (hereinafter also referred to as “the product under consideration” or “PUC” or “subject goods”) from People’s Republic of China, Malaysia and Vietnam (hereinafter also referred to as the “subject countries”) alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the above subject countries.
2. The Authority, on the basis of sufficient prima-facie evidence submitted by the Applicant, issued a public notice vide Notification No. 6/18/2019- DGTR dated 1<sup>st</sup> October, 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the anti-dumping duty, if any.

**B. PROCEDURE**

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
  - a. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the Rules.
  - b. The Authority issued a public notice vide its initiation notification dated 1<sup>st</sup> October 2019 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from subject countries.
  - c. The Authority, in terms of Rule 6(2) of the AD Rules, sent a copy of the public notice containing initiation notification to the Embassies of subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/ users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available in the application and requested them to make their views known in writing within the time limit prescribed in the initiation notification.
  - d. The Authority, in accordance with Rule 6(3) of the Rules, also forwarded a copy of the non-confidential version of the application to known producers/ exporters from the subject countries, the Governments of the subject countries through their respective Embassies in India, the known importers/ users in India and other Indian producers as per the addresses made available in the application and requested them to make their views known in writing within 40 days from the date of issue of letter by the Authority intimating the initiation of the investigation. A copy of the non-

confidential version of the application was also made available in the public file and provided to other interested parties, if requested in writing.

- e. The Authority, in accordance with Rule 6(4) of the Rules, sent a notice containing Exporter's Questionnaire to the following known producers/ exporters calling for the relevant information in the form and manner prescribed:

**China PR**

- i. M/s Cangzhou Dazheng Animal Medicine Co.,Ltd, China
- ii. M/s Golden Highway Chemicals Ltd., China
- iii. M/s Hebei Dahe International Trade Co. Ltd., China
- iv. M/s Hubei Maxpharm Industries Co. Ltd.
- v. M/s Liaonig Biochem Co. Ltd. China
- vi. M/s Qingdao Good Prosper Imp. & Exp. Co. Ltd., China
- vii. M/s Qingdao KFP Import & Export Co. Ltd., China
- viii. M/s Shandong Aocter Chemical Co., Ltd. China
- ix. M/s Shandong Jujia Biotechnology Co., Ltd., China
- x. M/s Shandong NB Technology Co. Ltd. China
- xi. M/s Shanghai Brightol International Co., Ltd., China
- xii. M/s Taminco Choline Chloride, China
- xiii. M/s Wuhan Xinxinjiali Biotechnology Co. Ltd, China

**Malaysia**

- i. M/s Uni Pharma FZC (Malaysia) Sdn, Malaysia

**Vietnam**

- i. M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam
- ii. An Huy Company Limited, Vietnam

- f. In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response:

- i. M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam
- ii. M/s GHW Holding Company, Hong Kong

- g. The Authority, in accordance with Rule 6(4) of the Rules, also sent a notice containing Importer's Questionnaire to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in the form and manner prescribed:

- i. M/s Nuovomondo Chemicals Pvt Ltd, Mumbai
- ii. M/s Vetadd Nutrients Private Limited, Punjab
- iii. M/s Niswin Enterprises, Tamil Nadu
- iv. M/s Global Health Care, Delhi
- v. M/s Planet Vyapaar Private Limited, Delhi
- vi. M/s Sheng Long Bio-Tech (India) Private Limited, Tamil Nadu
- vii. M/s Uttara Impex Private Limited, Pune
- viii. M/s B Vital Therapeutics Pvt Ltd, Telangana

- h. In response, the following importers/users have responded and filed importer's questionnaire response:

- i. M/s Sheng Long Bio-Tech (India) Private Limited, Tamil Nadu
  - ii. M/s Uttara Impex Private Limited, Pune
- i. The Authority, in accordance with Rule 6(4) of the Rules, also sent notice of initiation to the following other domestic producers, intimating them of the initiation of investigation with a request to provide relevant information to the Authority in the form and manner prescribed:
- i. M/s Balaji Amines Ltd., Solapur, Maharashtra
  - ii. M/s SDA Products, Gujarat
  - iii. M/s Supreme Chemicals Industries, Gujarat
  - iv. M/s Venvet Chemicals Private Limited, Hyderabad
  - v. M/s Blue Cross Animal Healthcare Private Limited, Gujarat
  - vi. M/s Salvi Chemical Industries Limited, Mumbai
  - vii. M/s Meden Pharma Private Limited, Thane, Maharashtra
- j. None of the other domestic producers has responded or participated in the present investigation.
- k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented/ submissions made by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all the interested parties to the extent considered relevant have been taken into account in these final findings.
- l. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the period of investigation and past three years, which was received by the Authority. The Authority notes that the imports reported as per the exporter's questionnaire response is \*\*\* MT while the import reflected in DGCI&S data for Vietnam for the period of investigation is only 560 MT. Therefore, the imports reported as per the exporter's questionnaire response, being more than the import reflected in DGCI&S data for Vietnam for the period of investigation, has been adopted, wherever applicable, for the purposes of this final finding. The Authority has however otherwise relied upon the DGCI&S transaction-wise data so received for the computation of the volume of imports and its analysis.
- m. The Non-Injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India determined on the basis of the information furnished by the domestic industry, Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- n. Physical inspection through on-spot verification of the information provided by the Applicant, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, to the extent deemed necessary, has been relied upon for the purpose of present final findings.
- o. Desk Verification of the information provided by the producers/ exporters, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority and has been relied upon for the purpose of present final findings.
- p. Other submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, for the purpose of present final findings.
- q. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present anti-dumping investigation is from 1<sup>st</sup> April 2018 – 30<sup>th</sup> June 2019 (15 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from April 2015 - March 2016, April 2016 - March 2017, April 2017 - March 2018 and the POI.
- r. Due to the worldwide outbreak of COVID-19 and consequent restrictions imposed by different countries, including India, the Authority in accordance with Rule 6(6) of the AD Rules and Trade



Notice No. 01/2020 dated 10th April 2020, conducted oral hearings through video conferencing on 15th May 2020 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally before the then Designated Authority in office.

- s. Subsequently, due to change of the Designated Authority and in accordance with the judgement of the Hon'ble Supreme Court delivered in the matter of Automotive Tyre Manufacturers' Association (ATMA) vs. Designated Authority, in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 07<sup>th</sup> January 2011, second oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 16<sup>th</sup> July 2020 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally before the present Designated Authority in office.
- t. All the parties who had attended the above mentioned two oral hearings were advised to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinders, if any. The arguments made in such written submissions and/or rejoinders received from the interested parties have been considered, to the extent deemed necessary, for the purpose of present final findings.
- u. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties., Parties providing information on confidential basis were directed to provide, wherever possible, sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- v. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded these final findings on the basis of the facts available.
- w. In accordance with Rule 16 of the Rules, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement dated 17<sup>th</sup> August 2020 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in the Final Findings. The Authority notes that most of the post-disclosure submissions made by the interested parties are mere reiteration of their earlier submissions. However, the post-disclosure submissions to the extent considered relevant are being examined in these Final Findings.
- x. '\*\*\*\*' in this Final Findings statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- y. The average exchange rate of US\$ 1 = Rs. 70.73 prevailing during the period of investigation has been adopted by the Authority.

## **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as follows:

*"4. The product under consideration for the purpose of present investigation is "Choline Chloride in all its forms". Choline Chloride is an organic compound and a quaternary ammonium salt used as an additive in animal feed. Choline Chloride can be produced in various forms, such as corn cob, on silica and in aqueous solutions.*

*5. Choline Chloride is produced in two stages of reaction process; wherein, first, Trimethyl Amine reacts with Hydrochloric Acid, to form a salt (Trimethyl Amine Hydrochloride); which then reacts with Ethylene Oxide to give Choline Chloride. The major applications include additive in animal feed, pharma applications, food application and Oil & Gas Applications. Present application concerns only the Choline Chloride with animal feed & oil and gas applications.*

*6. The subject goods are classified under customs tariff heading 23099010, 23099020, 23099090 and 29231000. The customs classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation."*

### **C.1. Submissions made by the Domestic Industry**

5. The following are the submissions made by domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- a. The product under consideration is “Choline Chloride in all its forms” which is an organic compound and a quaternary ammonium salt, primarily used as an additive in animal feed.
- b. Choline Chloride is produced in two stages of reaction process; wherein, first, Trimethyl Amine reacts with Hydrochloric Acid, to form a salt (Trimethyl Amine Hydrochloride); which then reacts with Ethylene Oxide in second stage, to give Choline Chloride. The purified Choline Chloride is deposited on a carrier and then dried.
- c. Choline Chloride has four broad applications, viz. i) Animal feed applications, ii) Pharma applications, iii) Food applications, and iv) Oil & Gas Application. The present investigation concerns only animal feed applications & oil and gas application of Choline Chloride. Pharma and food application choline chloride are beyond the scope of the product under consideration.
- d. Choline Chloride is produced in two broad forms – [a] liquid choline chloride falling under chapter 29 and [b] choline chloride compound animal feed falling under chapter 23. The solid form may be produced in different carriers such as Corn Cob Silica Carrier. The composition of both the products are same from the stage of basic raw material. The percentage of Choline Chloride in different form may vary. Imports are generally in the form of 60% Corn Cob in case of solid. However, the product can also be marketed in other forms to suit the customers’ requirement. The cost of production and selling price of the product depends upon the percentage of Choline Chloride in a particular form. Higher the percentage, higher the cost and price. Different grades/forms/types/strengths/sizes/application of the product does not mean different products.
- e. The goods produced by the Applicant are like article to the imported goods as they are comparable in terms of chemical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods, and are technically and commercially substitutable.

## **C.2. Submissions made by the other interested parties**

6. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties with regard to product under consideration and like article:
  - a. The product of the exporter has no notable difference on active chemical component in comparison to the PUC. Technically the product that is being imported and the PUC are the same, and the only difference is in relation to the physical quality parameters as the imported product is free flowing resulting into no lump formation. Therefore, the scope of the product should be particularly specified in order to facilitate clearer assessment.
  - b. Scope of PUC should be narrowed down; for the present investigation particularly specifying whether Choline Chloride is used as an additive in animal feed or used in Oil and Gas application.
  - c. Dry choline chloride and liquid choline chloride cannot be combined in one PUC. The end use and chemical compositions of dry and liquid choline chloride significantly differs and cannot be combined due to the difference in function, end uses, product specifications, pricing, distribution, marketing and tariff classification.
  - d. The use of PUC in animal feed is an established market. The importer is only importing dry choline chloride. However, the use of liquid choline chloride in oil and gas industry is a relatively new market. The Applicant has only recently started producing choline chloride for oil and gas application, and its stage of production is very juvenile. A material retardation standard applies in case of a new product as opposed to a material injury standard in established markets. The Authority should analyse these two products separately for the purpose of examination of dumping and injury since clear division of the production of both the products by the petitioner has not been provided. No protection was requested in the past investigations for choline chloride used in oil and gas application.

## **C.3. Examination by the Authority**

7. The submissions made by the domestic industry and other interested parties with regard to the product under consideration and like article related issues have been examined.

8. The product under consideration in the present application is “Choline Chloride in all its forms”. Choline Chloride is produced in two broad forms – [a] liquid choline chloride falling under chapter 29 and [b] choline chloride compound animal feed falling under chapter 23. Liquid Choline Chloride is classifiable under 29231000 while dry Choline Chloride is classifiable under 23099010 as animal compound feed of the Customs Tariff Act, 1975. However, imports of subject goods have been reported under customs tariff heading 23099010, 23099020, 23099090 and 29231000.
9. Choline Chloride is an organic compound and a quaternary ammonium salt, primarily used as an additive in animal feed. Choline Chloride is produced in two stages of reaction process; wherein, first, Trimethyl Amine reacts with Hydrochloric Acid, to form a salt Trimethyl Amine Hydrochloride; which then reacts with Ethylene Oxide in second stage, to give Choline Chloride. The purified Choline Chloride is either used as it is or is deposited on a carrier and then dried. Choline Chloride has four broad applications, viz. i) Animal feed applications, ii) Pharma applications, iii) Food applications, and iv) Oil & Gas Application. Present investigation concerns only the Choline Chloride with animal feed & oil and gas applications.
10. The exporter has accepted that choline chloride produced by the domestic industry and that supplied by the exporting company has no notable difference.
11. As regards the argument on narrowing down the scope of PUC, the Authority notes that the product under consideration is primarily Choline Chloride in liquid form. It is deposited on a carrier and then dried only to make it suitable as animal compound feed. However, it is Choline Chloride which is essentially used as an animal compound feed. Depositing Choline Chloride liquid on a carrier does not result in a new product. The domestic industry has sought investigation and imposition of duty on Choline Chloride in all its forms, excluding Choline Chloride used in pharma and food application. Both the forms of Choline Chloride, liquid and dry, are covered under the product under consideration in the present investigation. Past two investigations also had the same scope of the product under consideration as the present one. The mere fact that choline chloride was not used in oil and gas application in the past does not mean that the Choline Chloride used in oil and gas application is a new product. While domestic industry has provided details of the product sold for oil and gas application and Choline Chloride consumed as animal compound feed, the interested parties have provided no evidence to show a difference in the product. Evolution of a new use of an existing product does not mean creation of a new product. In fact, the opposing interested parties have themselves contended that this application has been recently developed. The liquid Choline Chloride that goes for depositing on a carrier to make Choline Chloride for feed applications and the one that goes for oil and gas application thus are held to be the same.
12. As regards customs classification, the Authority notes that dry Choline Chloride is under chapter 23 only because it is an animal compound feed, and considering the application, it is classifiable under chapter 23. The customs classification is essentially for the facilitation of imports and the mere fact that liquid Choline Chloride is classifiable under 29231000 while dry Choline Chloride is classifiable under 23099010 does not render them dislike article for the present purposes. Both the customs classifications were considered in the previous two investigations as well.
13. In view of the above, the Authority holds that the scope of the product under consideration in the notice of initiation is appropriate and accordingly defines the scope of the product under consideration as follows:

*The product under consideration for the purpose of present investigation is "Choline Chloride in all its form, excluding Choline Chloride for food and pharma applications, falling under 29231000 and 23099010".*
14. The Authority further holds that there is no known difference in product exported from subject countries and the subject product produced by the Indian industry. The subject goods produced by the domestic industry is comparable to the subject goods exported from subject countries in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The Authority thus holds that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration exported from the subject countries.

**D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING****D.1. Submissions made by the Domestic Industry**

15. Following are the submissions made by the Applicant with regard to the scope of the domestic industry and standing:
- The application has been filed by M/s. Jubilant Life Sciences Ltd. as a producer and domestic industry of the product in India. The Applicant is neither related to an importer in India nor an exporter from the subject countries and has not imported the product under consideration from the subject countries.
  - There are two more known domestic producers of the product under consideration, namely, M/s Balaji Amines and M/s SDA Products.
  - There are some more producers of Choline Chloride in India but they do not produce choline chloride from basic stage and merely produce dry Choline Chloride after procuring liquid either from the domestic producers or foreign producers. Production by these companies should not be included in determining gross domestic production, nor should these companies be treated as domestic producers of the product.
  - There is no published information with regard to production by various producers. The applicant has assessed their production based on market intelligence.
  - The applicant is the majority producer of the product under consideration in India. Its production accounts for more than 50% of the production of the subject goods in India and it thus constitutes domestic industry.

**D.2. Submission by other interested parties**

16. Following are the submissions made by other interested parties with regard to scope of the domestic industry and standing:
- Effectively there is only one producer in India i.e. the petitioner and the subject goods have been supplied primarily by them only during the POI. The other two producers (Balaji Amines and SDA Products) did not supply the goods in any significant quantity during the POI. Petitioner remains the largest producer and is in a dominating position and any ADD shall help the company to adopt monopolistic pricing in the market.
  - No information has been provided regarding the production by any other party in the petition by resorting to excessive confidentiality and the petitioner has based its submissions on market information and is therefore required to be corrected if some actual information to the contrary is provided to the Authority.

**D.3. Examination by the Authority**

17. The present application has been filed by M/s. Jubilant Life Sciences Ltd. The applicant is stated to be not related to any importer or exporter of subject goods in the subject countries, nor has imported subject goods from the subject country. No submission to the contrary has been made by opposing interested parties.
18. Apart from the Applicant, M/s Balaji Amines, M/s SDA Products are the other Indian producers of the subject goods in India.
19. At the stage of initiation, the Authority wrote to other domestic producers advising them to file information in the form and manner prescribed with regard to injury determination. However, none of other domestic producers have filed complete injury information in the prescribed format.
20. The Applicant had identified M/s Supreme Chemical Industries, M/s Venvet Chemicals Private Limited, M/s. Bluecross Animal Healthcare Pvt. Ltd., M/s Salvi Chemical Industries Limited and M/s Meden Pharma Pvt Ltd. as companies who are selling dry choline chloride after procuring liquid Choline Chloride either from the domestic market or from foreign producers. The applicant contended that while the input of these companies is liquid choline chloride, their output is dry choline chloride on a carrier. Such input has been sourced either from the domestic producers or imported from subject or non-subject countries. Since both input and output of these companies are within the scope of



product under consideration, the input of these companies has been considered in production of domestic producers (if sourced from domestic market) or in imports in India (if imported). Therefore, production by these companies have not been included in determination of eligible gross domestic production in India. Accordingly, only those producers who are producing choline chloride from the basic stage have been considered as domestic producers for the present investigation.

21. The production of the Applicant in the POI has been determined as \*\*\*% of the gross Indian production. Moreover, even if production of dry choline chloride from imported liquid choline chloride is included in the gross domestic production, the share of the Applicant in gross domestic production is more than 50%. The production of the applicant thus constitutes a major proportion in Indian production. Accordingly, the Authority holds that the Applicant constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) Rule 5(3) of the Rules.

## **E. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY**

### **E.1. Submissions made by the Domestic Industry**

22. The following submissions have been made by the Domestic Industry with regard to confidentiality issues:
- a. Applicant has disclosed all the essential information in the non-confidential version of the application in accordance with the Rules and Trade Notice issued by the Authority. Indexed information has been provided, wherever possible. The applicant is the sole applicant and disclosure of actual information would be of significant competitive advantage to the competitors and consumers.
  - b. The non-confidential version of the response filed by the other interested parties is grossly deficient and should be rejected. The responding exporter has claimed excessive confidentiality in disclosing the name of the holding company as well as the shareholding details.

### **E.2. Submissions made by other interested parties**

23. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality issues:
- a. Excessive confidentiality is allowed in the petition in violation of Trade Notice no. 10/2018. The Petitioner has not provided sufficient data on volume and value of production by all other producers, information on R&D Expenses, funds Raised and non-injurious price calculation. The Applicant has tried to restrict the relevant information from the opposing parties and also from the Authority.
  - b. The Applicant has not provided correct and complete non-confidential version of the application, which has jeopardized the right to oppose. The Authority should direct the applicant to provide correct and complete information and actual volume information so that effective rebuttals can be made.

### **E.3. Examination by the Authority**

24. The Authority has made available non-confidential version of the information provided by interested parties to other interested parties.
25. As regards the contentions relating to excessive confidentiality of information, the Authority notes that the Rule 7 permits interested parties to claim certain information as confidential and requires them to provide non confidential version of the information filed on confidential basis. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties in the form of public file.

**F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS****F.1. Submissions made by other interested parties**

26. Following submissions have been made by exporters/importers/other interested parties with regard to miscellaneous issues:

- a. The product has been sufficiently protected in the past 17 years by way of the earlier anti-dumping duty on EU & China PR. No application was filed by the domestic industry seeking extension of previous duty which expired on 20th December 2017.
- b. The petition has incomplete and incorrect information, as it shows same data for the annualized POI as the POI. The Authority did not initiate investigation against EU on the ground that the dumping margin on imports of subject goods from EU was de-minimis and that the injury margin was negative for the period of investigation. Despite this, the Petitioner did not file an updated petition excluding EU nor did they update the method of calculation of dumping margin. The applicant, in this regard, has neither replied to the letters nor provided updated data.
- c. Contention of domestic industry regarding Vietnam as a pseudo Chinese manufacturing is denied. Applicant has not disputed the available production facility for PUC in Vietnam.
- d. The domestic industry has not contended trans-shipment of the product in the present case. The initiation notification also does not cover the issue of trans-shipment.
- e. Process adopted by domestic industry and the exporting producer need not be same in all respects. The Vietnamese producer company undertakes significant manufacturing process to produce the product from the raw material. The value addition is in the region of 30-40%. The quantification of value addition has meaning in anti-circumvention investigations and not in anti-dumping investigations.
- f. ADD can create unwarranted distress to the end users of animal feeds in India who are unorganized to come before the Authority. The Authority may consider the plight of such users before reaching any conclusion. The burden of any duty shall be borne by such users which will be counterproductive.
- g. The applicant is intolerant to even small amount of imports and sees zero imports as a means to bolster their position in the market. Any ADD shall be used as a tool to increase profits by the applicant as they are well positioned to engage in such price determinations.
- h. The Indian Government declaring assistance packages on one hand and imposing ADD on the other hand may ultimately deny the intended benefits to the people who are engaged in animal husbandry in India.

**F.2. Submissions made by the Domestic Industry**

27. The following miscellaneous submissions have been made by the Domestic industry

- a. Imposition of Anti-dumping duty is not a protection. Once the duty lapsed the imports again started entering at dumped prices.
- b. There is no inaccuracy in the data presented in injury statements. The applicant provided trend in the non-confidential version of petition. Since POI is not 12 months, the trends have been reported considering the difference in length of different periods. The data have been verified by the Authority.
- c. The applicant filed application in respect of European Union as well. However, the Authority has prima facie not found justification for initiation of investigation against EU. Neither the rules require, nor has the Authority instructed the applicant to file revised petition removing EU, post initiation of investigation.
- d. In response to the contentions raised regarding public interest issues, the applicant submitted that anti-dumping duty would not restrict the imports at fair prices and would not hinder the farmers' access to the imported goods. In fact, imposition of duty will bring the imported goods at par with the one produced by domestic industry and ensure fair competition in the market.



- e. The domestic industry has sought redressal against dumping causing injury. The domestic industry has not sought duty to earn undue profits.
- f. The Authority has earlier found that cost of the product and impact of ADD on the ultimate product is highly miniscule.

### **F.3. Examination by the Authority**

28. The various miscellaneous submissions considered relevant have been examined as under:

- a. As regards the argument that domestic industry is having protection for the last several years, the Authority notes that anti-dumping duty is imposed or extended only if the necessary conditions under the AD Rules are met. The present investigation is a fresh investigation since anti-dumping duty is not in force.
- b. As regards the argument of incomplete and incorrect information, the Authority notes that the data provided in the petition was examined and the investigation was initiated only after prima facie satisfaction regarding adequacy and accuracy of information. Further, information furnished by the domestic industry has subsequently been verified by the Authority. As regards providing indexed data, the Authority notes that there is no infirmity in the indexation.
- c. As regards the argument of filing revised application after excluding EU, the Authority notes that the application was filed in respect of China, EU, Malaysia and Vietnam. The Authority considered it appropriate not to initiate investigation in respect of imports from EU. However, the application contains sufficient data separately for each of the country under investigation.
- d. With regard to the DI's contention of Vietnamese exporter being a pseudo Chinese manufacturer, the Authority notes that the responding exporter has procured liquid choline chloride from China, processed the same into dry choline chloride and exported to India. The questionnaire response filed by the exporter shows that the cost of raw material consumed (mainly liquid chlorine chloride) constitutes \*\*\*% of the cost of production and \*\*\*% of the cost of sales. It is also noted that the exporter has created manufacturing facilities, and has declared exported product as originating in Vietnam. The claim of the exporter has been accepted by the customs authorities. The exporter has sourced raw material from its own related entity from China and the raw material obtained by the company is also within the scope of the product under consideration. This aspect has been taken note of while determining normal value for the exporter.
- e. As regards the argument of selective participation of the exporter or misleading information, the Authority notes that the responding exporter has not denied the fact that they have bought liquid Choline Chloride from their own affiliated producer in China, who has not responded in the present investigation.
- f. As regards the argument of the domestic industry that the goods supplied from Vietnam constitute goods of Chinese origin, the Authority notes that it is for the Customs Authorities to examine the same at the time of importation in accordance with rules of origin and is not within the scope of the present investigation. The Authority has considered that the goods originating from Vietnam, as treated by the Customs authorities.
- g. As regards the contention with respect to the impact on consumers through increase in product costs due to ADD, the Authority notes that the interested party has merely made a statement and has provided no verifiable data/information to substantiate its contention. Further, the domestic industry has submitted quantified information and has referred to the previous investigation conducted by the Authority, wherein the Authority had noted submissions of the domestic industry that cost of Choline Chloride as a chicken feed constitutes highly insignificant proportion. The Authority also notes that anti-dumping measures are aimed to ensure fair trade and provide level-playing field. These measures do not restrict import nor cause an unjustified increase in cost of products. The purpose of ADD is not to give any kind of undue advantage to the domestic producers. Nor a consumer can seek, as a matter of right, access to a product at dumped prices, particularly when such dumping is found to have caused injury to an established industry in India. The purpose of ADD is to remove unfair dumping causing injury to the domestic industry. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. Imposition of anti-dumping duties would not affect the availability of the product to the consumers at fair prices.

## **G. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

29. Under Section 9A(1)(c) of the Act, “normal value, in relation to an article, means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.”*

### **G.1. Submissions by the Domestic Industry**

30. The following submissions are made by the domestic industry with regard to normal value:

- a) China and Vietnam should be treated as non-market economies for the present purposes.
- b) In line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries, the cost and price of the Chinese producers cannot be relied upon for determination of normal value. Accordingly, normal value should be determined in accordance with the provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.
- c) The Applicant has determined the normal value of subject goods based on cost of production of the subject goods in India with addition of administrative & selling expenses and a reasonable amount of profit.
- d) The producers in Vietnam are importing liquid form of choline chloride from China, processing the same and exporting to India. The Authority should treat the producer as only processor and not a manufacturer of Choline chloride. Transforming one form of the product under consideration into other form is an insignificant production activity and the value addition is incremental. The Authority should not grant individual dumping margin to the Vietnam producers.
- e) The value of choline chloride liquid consumed by the producers of the product in Malaysia and Vietnam should be considered at the market value of liquid choline chloride. The procurement price from China cannot be considered, as this is material sourced from Chinese affiliated supplier and the material itself is part of the product under consideration.
- f) Custom data of other countries show that liquid choline chloride is produced in significant volumes only in EU, China, US, India and has been exported to various countries and therefore price of liquid Choline Chloride can be considered on the prices of the prices in EU or USA.
- g) None of the producers of the product under consideration in Malaysia have filed questionnaire response. As per trade map data, Malaysia is also importing the liquid form of choline chloride from other countries, processing the same and exporting to India. The Authority should determine normal value in Malaysia considering the international price of liquid choline chloride and facts available with regard to conversion costs.
- h) Dumping margin of the imports from the subject countries is positive and above de minimis.

## **G.2. Submissions made by other interested parties**

31. Following submissions have been made by exporters/importers/other interested parties with regard to normal value.

- a) The constructed normal value for China PR, Vietnam and Malaysia at approximately USD \*\*\*/MT is extremely high as compared to a normal value of USD \*\*\*/MT for EU, which is an expensive market. It is evident that the cost of the domestic industry is inflated, and this higher cost is responsible for its own injury.
- b) Net export price is unreliable as there is no information regarding calculations or methodology used for its calculation.
- c) The net export price for imports from Vietnam is much higher than the export price for imports from EU. Thus, the dumping margin for Vietnam should be even lower than that of EU. The net export price for EU is \*\*\* US\$/MT, and the Authority considered the dumping margin for EU as de minimis. Therefore, dumping margin for Vietnam should be also de minimis, as the net export price for Vietnam is \*\*\*US\$. There is no major difference between normal values for these countries.
- d) Authority should not rely on the data provided by the applicant to assess the normal value, Export Price, and dumping margin. The Authority should adopt verifiable information provided by the exporter.
- e) The Vietnamese producer undertakes significant manufacturing process to produce the product. Quantification of value addition from raw material stage to finished goods stage has no relevance in the anti-dumping investigation.

## **G.3. Examination by the Authority**

### **G.3.1. Determination of normal value**

#### **G.3.1.1. Market economy status for Chinese Producers**

32. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows: "Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

*"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

*(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*

*(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

*(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

*(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify*

*methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

*(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector. "*

33. It is noted that while, the provision contained in Article 15 (a) (ii) have expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession protocol require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the AD Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the prescribed formats for claiming the market economy status. Since none of the producers from China PR have submitted questionnaire response, the normal value is required to be determined as per provisions of para 7 of Annexure I of the AD Rules.

#### **G.3.1.2. Determination of Normal Value for all producers in China PR**

34. As none of the producers from China PR have filed questionnaire response, the normal value has been determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Rules, which provides that normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.
35. None of the interested parties, including the domestic industry have provided any information for determination of normal value on the basis of price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India. In the absence of sufficient information on record regarding the other methods prescribed under Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority has determined the normal value by considering "any other reasonable basis" provided under the rules. The Authority has determined normal value for Chinese producers on the basis of cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and reasonable profits. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table below.

#### **G.3.1.3. Determination of Normal Value for all producers in Malaysia**

36. None of the producers from Malaysia have filed questionnaire response. Since none of the producers/exporters have cooperated with the Authority, normal value has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8).
37. The normal value has been determined on the basis of facts available. Accordingly, the constructed normal value so determined for Malaysian producers/ exporters is mentioned in the dumping margin table below.

#### **G.3.1.4. Determination of Normal Value for all producers in Vietnam**

38. The Authority notes that exporter's questionnaire responses have been submitted by M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam and M/s GHW Holding Company, Hong Kong and their related importer M/s Nuovomondo Chemicals Pvt Ltd, Mumbai. M/s GHW (Vietnam) Co Ltd is a producer/exporter in Vietnam. M/s GHW Holding Company, Hong Kong is a trader and M/s Nuovomondo Chemicals Pvt Ltd, Mumbai is their related importer. M/s GHW Holding Company, Hong Kong however has submitted that it has exported to India the goods produced in China by Havay Group (PRC) and not exported the goods produced in Vietnam. It had filed questionnaire response envisaging that the Chinese producer concerned shall file questionnaire response. However, since the Chinese producer has not filed questionnaire response, the Authority has ignored the questionnaire response filed by M/s GHW Holding Company, Hong Kong.



**M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam**

39. As regards the argument of the domestic industry that the goods supplied from Vietnam do not satisfy the criteria of minimum value addition as prescribed under the Rules of Origin, it is noted that the same is for the Customs Authorities to examine at the time of importation and is outside the purview of the present investigation.
40. The Authority notes that the company has bought liquid Choline Chloride from its own Chinese related company. The Chinese company is engaged in production of liquid Choline Chloride and has not cooperated with the Authority. Further, liquid Choline Chloride is a form of the product under consideration in the present case. Under the circumstances, the Authority considers that the purchase price reported by the company cannot be adopted for determination of its cost of production. Accordingly, the Authority has taken the cost of production of liquid Choline Chloride based on facts available and added the actual conversion costs of the company to determine the cost of production of dry chlorine chloride. Further, since all the domestic sales made by the company are at a price below the cost of production of dry chlorine chloride so determined by the Authority, a profit margin of 5% has been added to such cost of production to determine the normal value.

**G.3.2. Determination of Export Price****G.3.2.1. M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam**

41. After examination of the response, the exporter's data was verified by the Authority. The DGCI&S data has also been examined and correlated with the questionnaire response filed by the exporter. The Authority notes that the imports as per the exporter's questionnaire has been reported more than the DGCI&S data for Vietnam for the period of investigation. The Authority has accepted the data submitted by the producers/exporters and for determination of export price. The Authority notes that the company had reported 22 transactions involving export of \*\*\* MT of the subject goods to India during POI at an average CIF price of US\$ \*\*\* per MT. Entirety of sales are of dry form. Price adjustments have been made on account of inland freight, handling charges, ocean freight, insurance, cash credit, bank charges and SGA of traders as reported by the exporter to arrive at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for M/s GHW (Vietnam) Co Ltd, Vietnam is determined as US\$ \*\*\* per Kg.

**G.3.2.2. Non-cooperative producer/exporter**

42. No other producer/exporter has responded from Vietnam. The Authority has determined export price for non-responding exporters/producers from Vietnam based on facts available. The Authority has used the data of responding exporter for determination of export price for non-cooperative exporters. Price adjustments have been made on account of inland freight, handling charges, ocean freight, insurance, cash credit, bank charges to arrive at ex-factory level.

**G.3.2.3. Export price for China and Malaysia**

43. Since none of the producers/exporters from China and Malaysia have filed questionnaire response, the Authority has determined export price for all producers/ exporters from China and Malaysia on the basis of weighted average import price as reported in DGCI&S import data. Price adjustments have been made on account of inland freight, handling charges, ocean freight, insurance, cash credit, bank charges to arrive at ex-factory level.

**G.3.3. DUMPING MARGIN**

44. The dumping margin for the subject goods has been determined by considering normal value and net export price at ex-factory level. The same is mentioned in the table below.

| Country | Exporter      | Normal Value | Net Export Price | Dumping Margin | Dumping Margin | Dumping Margin in % |
|---------|---------------|--------------|------------------|----------------|----------------|---------------------|
|         |               | US\$/MT      | US\$/MT          | US\$/MT        | %              | Range               |
| China   | All           | ***          | ***              | ***            | ***            | 70-80               |
| Vietnam | GHW (Vietnam) | ***          | ***              | ***            | ***            | 30-40               |

|          |          |     |     |     |     |       |
|----------|----------|-----|-----|-----|-----|-------|
|          | Co. Ltd  |     |     |     |     |       |
| Vietnam  | Residual | *** | *** | *** | *** | 40-50 |
| Malaysia | All      | *** | *** | *** | *** | 70-80 |

## **G. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**

### **G.1 Submissions by the Domestic Industry**

45. The submissions made by Domestic Industry are as follows:

- a. The demand has increased throughout the injury period. The volume of imports has shown massive increase in absolute terms as well as in relation to production & consumption in India.
- b. The imports are undercutting the prices of the applicant in the Indian market. Though the selling price has increased, the increase is less than the increase in cost of production. The imports are causing price suppression.
- c. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, the domestic industry has submitted as follows
  - i. While overall production increased, the increase in production is lower than increase in demand and sales have not increased to the extent of increase in demand. The applicant added capacity to meet the domestic needs. But due to continued imports, additional capacity has remained largely unutilized, thus, resulting in decline in capacity utilization.
  - ii. Market share of domestic industry declined over the injury period.
  - iii. The domestic industry is faced with consistent increase in cost of sales of the subject goods due to continued increase in the input prices. Even when both selling price and cost of production increased, the increase in the selling price was less than the increase in the cost of production, throughout the injury period.
  - iv. Profits of the domestic industry started declining to such an extent that the domestic industry has started suffering financial losses now. Resultantly, cash profit, PBIT and ROCE also followed the same trend and declined significantly over the period of injury.
  - v. Inventories with the Domestic Industry have shown significant increase throughout the injury period with a significant increase in the POI.
  - vi. Employment and wages increased in the injury period. The Applicant produces few other goods as well and therefore employment and wages are not solely dependent on the subject goods' performance.
  - vii. The dumping margin is not only more than de-minimus but also substantial. The impact of dumping on the Domestic Industry is adverse.
  - viii. Growth of the Domestic Industry in terms of the majority of parameters such as, production, sales, market share, profits, return on investment, cash profits, etc. is negative.
- d. Injury to the domestic industry is not due to other factors, viz. the performance of other products being produced and sold by the Domestic Industry, changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producer, developments in technology, and export performance.
- e. Responding to the issues raised by the other interested parties, the domestic industry has submitted as follows
  - i. As regards the contention that there are nominal imports, it is submitted that with cessation of anti-dumping duty, dumping has not only started but has also significantly intensified from other subject countries such as Vietnam and Malaysia.
  - ii. As regard the contention that injury is due to new product, it is submitted that no new product has been manufactured by the Applicant. The existing product has been sold for a



- new application. Besides, such sale of choline chloride to Oil and gas industry is very miniscule.
- iii. Imports from subject countries constitute significantly high percentage in total imports and demand.
  - iv. As regard the contention that there is no injury it is submitted that performance of the domestic industry in respect of various volume and price parameters have deteriorated.
  - v. During 2015-16 and 2016-17 anti-dumping duty against China was in existence, due to which there were no imports. Once the duty lapsed in December 2017 the imports once again began to increase not only from China but also from other subject countries.
  - vi. Prices from Vietnam have increased in POI as compared to 2017-18 but has remained significantly below the cost and selling price of domestic industry.
  - vii. The depreciation has not increased much and share of depreciation is quite low in comparison to cost. Thus, increase in depreciation is not the reason for the injury suffered by domestic industry.
  - viii. There is no extra R&D cost incurred to manufacture choline chloride used in Oil and gas sector.
  - ix. If Oil and natural gas application is exempted, one can import liquid choline chloride in the garb of use in oil and gas market and use the same for manufacture of dry choline chloride and use the same for feed application.
  - x. With reference to annual report of M/s Jubilant Life Sciences, it is submitted there is nothing in the annual reports which suggests that the performance of the product under consideration deteriorated due to some other reasons.
  - xi. The injury to the domestic industry has not been caused by any other factor. There is a clear causal link between the dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.

## **G.2 Submission by other interested parties**

46. The submissions made by other interested parties with regard to injury are as follows:

- a. There were no import from the subject countries in the year 2015-16 and 2016-17. In 2017-18, only Vietnam has exported. So, any injury caused from 2015-16 to 2017-18 cannot be attributed to the subject imports at all.
- b. Imports from Vietnam constitute 51% of the total subject imports, and volume of subject imports for Malaysia and China PR are insignificant and the CIF price has increased in the POI.
- c. No differentiated imports from the subject countries for dry and liquid choline chloride for oil and gas sector have been provided.
- d. Different injury analysis is required for different markets as for dry choline chloride for animal feeds and liquid choline chloride in oil and gas industry.
- e. Domestic industry is not suffering material injury due to subject imports. In the absence of any injury which is reflected in the negative injury margin, it can be ascertained that the claims of causal link also have no truth in it and should be rejected. There is improvement in relevant economic parameters of the domestic industry.
- f. Since injury margin is negative from EU, injury margin for Vietnam cannot be positive, as the landed price of import from Vietnam was clearly higher than EU. The Authority should exclude Vietnam from the scope of investigation.
- g. NSR is higher than the NIP of the Domestic Industry. Accordingly, Domestic Industry is earning way above the NIP and earning sufficient ROCE.
- h. Newly started production of Choline Chloride for oil and gas has caused unstable business and is further causing production line to be erratic which can destabilize the market and lead to a shortage of supply.

- i. The Financial Reports point to multiple other reasons which may have led to injury during the POI such as- substantial investment in R&D, the international and domestic macro-economic activities affecting supply chain, continuous changes in GST, volatility in crude oil, solvents and other chemicals.
- j. Decline in some economic parameters is on account of un- dumped imports as dumping margin from imports from EU and Vietnam is negative.
- k. Data provided shows that there is no price effect due to dumped imports.
- l. Injury, if any, is attributable to export sales in large quantities and losses have reasons other than imports. The widening gap in export sales resulting in losses could be the reason for any injury caused.
- m. Fall in PBIT since 2016-17 when there were no subject imports. Increase in cost can be attributed to an increase in depreciation cost which increased by 25%. The PBIT per unit could be adversely impacted due to such an increase in cost. The Applicant is earning a higher sales realization in India than in export market. Applicant's cost is at a constant rise, which can be attributable to the setup of a new line of business.
- n. The domestic industry holds about 90% of the Indian demand for the product.
- o. Indian poultry sector has observed a huge demand and supply gap in Choline Chloride. Anti-dumping duty will create demand and supply gap which will result into price increase from Indian manufacturers.

### **G.3 Examination of the Authority**

47. The Authority has taken note of various submissions of interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The Authority notes that the imports as per the exporter's questionnaire response has been reported more than the DGCIS data for Vietnam for the period of investigation and hence the Authority has considered the import data as per the questionnaire response filed by the foreign producer/ exporter.

#### **G.3.1 Cumulative Assessment**

48. Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to antidumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the exports of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
  - b. The imported products compete with the like domestic products.
49. The Authority notes that:
- a. The subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are like articles.
  - b. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
  - c. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
  - d. Prices at which the goods are being exported from the subject countries indicate a clear inter se competition between the imports from these sources in the Indian market.
  - e. The competition between the dumped imported articles and the like articles offered by the domestic industry in the Indian market exists.
50. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively.

51. Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on the domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

### **G.3.2 Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

#### **(a) Assessment of Demand/Apparent Consumption**

52. Demand or apparent consumption of the product in India has been determined as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed for the product under consideration is given below:

| Particulars              | UoM | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    |            |
|--------------------------|-----|---------|---------|---------|--------|------------|
|                          |     |         |         |         | Actual | Annualized |
| Subject countries        | MT  | -       | -       | 208     | 1,124  | 899        |
| (a)China PR              | MT  | -       | -       | -       | 324    | 259        |
| (c)Vietnam               | MT  | -       | -       | 208     | ***    | ***        |
| (b)Malaysia              | MT  | -       | -       | -       | 208    | 166        |
| Other countries          | MT  | 72      | 362     | 671     | 270    | 216        |
| Domestic Industry Sales  | MT  | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
| Sales of Other Producers | MT  | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
| Total Demand             | MT  | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |

53. It is seen that the demand for the product has shown a positive trend over the injury period.

#### **(b) Import Volumes from subject countries**

54. The volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed as under-

| Import Volume                  | UOM | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    | POI(A) |
|--------------------------------|-----|---------|---------|---------|--------|--------|
| Subject Countries              |     | -       | -       | 208     | 1,124  | 899    |
| China PR                       | MT  | -       | -       | -       | 324    | 259    |
| Vietnam                        | MT  | -       | -       | 208     | ***    | ***    |
| Malaysia                       | MT  | -       | -       | -       | 208    | 166    |
| Other Countries                | MT  | 72      | 362     | 671     | 270    | 216    |
| Total                          | MT  | 72      | 362     | 879     | ***    | ***    |
| <b><u>Share in Imports</u></b> |     |         |         |         |        |        |
| Subject Countries              | %   | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 80-100 | 80-100 |
| China PR                       | %   | 0.00    | 0.00    | 0.00    | 20-30  | 20-30  |
| Vietnam                        | %   | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 40-50  | 40-50  |
| Malaysia                       | %   | 0.00    | 0.00    | 0.00    | 10-20  | 10-20  |
| Other Countries                | %   | 100.00  | 100.00  | 76.34   | 10-20  | 10-20  |
| Total                          | %   | 100.00  | 100.00  | 100.00  | 100.00 | 100.00 |

| Import Volume                                | UOM | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    | POI(A) |
|--|-----|---------|---------|---------|--------|--------|
| <b><u>Subject Imports in relation to</u></b> |     |         |         |         |        |        |
| Indian production                            | %   | 0.00    | 0.00    | 1.16    | 5.05   | 5.05   |
| Consumption                                  | %   | 0.00    | 0.00    | 1.18    | 5.07   | 5.07   |
| Total Imports                                | %   | 0.00    | 0.00    | 23.66   | 80-100 | 80-100 |

55. It is seen that

- Imports from the subject countries have increased in absolute terms over the injury period. While there were no imports till 2016-17 from subject countries, imports started from Vietnam in 2017-18, while the same started from China PR and Malaysia in POI itself.
- The imports have increased in relation to imports of the product in India, production and consumption in India.

### **G.3.3 Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry**

56. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of sales, Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed value of imports from the subject countries.

#### **(a) Price Undercutting**

57. For the purpose of price undercutting analysis, net selling price of the Domestic Industry has been compared with the landed value of imports from each of the subject countries. Price undercutting has been determined separately for the two forms and thereafter for the product.

| Country               |        | China  | Vietnam | Malaysia |
|-----------------------|--------|--------|---------|----------|
| Import Quantity       | MT     | 315    | ***     | 208      |
| Landed Import Price   | Rs/MT  | 61,587 | ***     | 58,767   |
| Net Sales Realization | Rs/MT  | ***    | ***     | ***      |
| Price Undercutting    | Rs/MT  | ***    | ***     | ***      |
| Price Undercutting    | %      | ***    | ***     | ***      |
| Price Undercutting    | %Range | 20-30  | 10-20   | 20-30    |

58. It is seen that the imports from subject countries are at prices significantly below the selling price of the domestic industry. The imports were undercutting the prices of the domestic industry during the period of investigation.

#### **(b) Price Suppression and Depression**

59. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period were compared and considered along with import price as below:

| Particulars          | UOM     | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI |
|----------------------|---------|---------|---------|---------|-----|
| Selling price        | Rs/MT   | ***     | ***     | ***     | *** |
|                      | Indexed | 100     | 100     | 100     | 104 |
| Cost of Sales        | Rs/MT   | ***     | ***     | ***     | *** |
|                      | Indexed | 100     | 101     | 109     | 118 |
| <u>Landed Price:</u> |         |         |         |         |     |

|                     |       |   |   |        |        |
|---------------------|-------|---|---|--------|--------|
| - China             | Rs/MT | - | - | -      | 61,587 |
| - Vietnam           | Rs/MT | - | - | 66,462 | ***    |
| - Malaysia          | Rs/MT | - | - | -      | 58,767 |
| - Subject countries | Rs/MT | - | - | 66,462 | ***    |

60. It is seen that

- the landed price of imports is significantly below the cost of sales and selling price of the domestic industry;
- the cost of sales has increased over the injury period. The selling price has not increased in proportion to the increase in cost of sales.

61. It is thus seen that the imports were suppressing the prices of the domestic industry during the period of Investigation.

(c) **Price Underselling**

62. The non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry has been determined and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. It is seen that the landed value of subject imports was below the non-injurious price of the Domestic Industry. The price underselling so determined is significant.

| Country             |         | China  | Vietnam | Malaysia |
|---------------------|---------|--------|---------|----------|
| Import Quantity     | MT      | 315    | ***     | 208      |
| Non Injurious Price | US\$/MT | ***    | ***     | ***      |
| Landed Import Price | US\$/MT | 870.73 | ***     | 830.87   |
| Price Underselling  | US\$/MT | ***    | ***     | ***      |
| Price Underselling  | %       | ***    | ***     | ***      |
| Price Underselling  | %Range  | 30-40  | 0-10    | 30-40    |

### **G.3.4 Economic Parameters of the Domestic Industry**

63. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

a. **Sales, Capacity, Production and Capacity Utilization**

64. Capacity, production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry over the injury period is given in the following table: -

| Particulars | UOM     | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    |            |
|-------------|---------|---------|---------|---------|--------|------------|
|             |         |         |         |         | Actual | Annualized |
| Capacity    | MT      | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|             | Indexed | 100     | 100     | 119     | 119    | 119        |

|                                       |         |     |     |     |     |     |
|---------------------------------------|---------|-----|-----|-----|-----|-----|
| Production-Liquid                     | MT      | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | Indexed | 100 | 107 | 113 | 112 | 112 |
| Capacity Utilization-                 | %       | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | Indexed | 100 | 107 | 95  | 94  | 94  |
| Domestic Sales-Liquid                 | MT      | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | Indexed | 100 | 97  | 84  | 49  | 49  |
| Domestic Sales-Dry                    | MT      | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | Indexed | 100 | 112 | 107 | 114 | 114 |
| Equivalent Domestic Sales (Dry basis) | MT      | *** | *** | *** | *** | *** |
|                                       | Indexed | 100 | 109 | 102 | 102 | 102 |

65. From the above information, the Authority notes that

- While production increased over the injury period till 2017-18, production and capacity utilization declined in POI as compared to preceding year.
- Sales of the domestic industry increased till 2016-17. Thereafter, sales of the domestic industry declined.
- Capacity utilization of the domestic industry increased in 2016-17 and has been declining thereafter.

**b. Market Share**

66. Market share of the domestic industry and of imports was as shown in table below:

| Particulars              | UoM | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    |            |
|--------------------------|-----|---------|---------|---------|--------|------------|
|                          |     |         |         |         | Actual | Annualized |
| Subject countries        | %   | 0.00    | 0.00    | 1.18    | 5.07   | 5.07       |
| Other countries          | %   | 0.43    | 2.03    | 3.82    | 1.22   | 1.22       |
| Domestic Industry Sales  | %   | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
| Sales of Other Producers | %   | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
| Total Demand             | %   | 100.00  | 100.00  | 100.00  | 100.00 | 100.00     |

67. It is seen that while the market share of subject imports has increased, the share of domestic industry has declined over the period.

**c. Profitability, return on investment and cash profits**

68. Profitability, return on investment and cash profits of the Domestic Industry over the injury period is given in the table below: -

| Particulars   | UOM     | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI | POI(A) |
|---------------|---------|---------|---------|---------|-----|--------|
| Selling price | Rs/MT   | ***     | ***     | ***     | *** | ***    |
|               | Indexed | 100     | 100     | 100     | 104 | 104    |
| Cost          | Rs/MT   | ***     | ***     | ***     | *** | ***    |
|               | Indexed | 100     | 101     | 109     | 118 | 118    |
| Profit/ loss  | Rs/MT   | ***     | ***     | ***     | *** | ***    |
|               | Indexed | 100     | 95      | 29      | -5  | -5     |



|                        |          |     |     |     |     |     |
|------------------------|----------|-----|-----|-----|-----|-----|
| Profit/ loss           | Rs Lacs  | *** | *** | *** | *** | *** |
|                        | Indexed  | 100 | 104 | 29  | -5  | -5  |
| Profit before Interest | Rs Lacs  | *** | *** | *** | *** | *** |
|                        | Indexed  | 100 | 101 | 37  | 12  | 12  |
| Cash Profit            | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** | *** |
|                        | Indexed  | 100 | 103 | 34  | 2   | 2   |
| Capital Employed       | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** | *** |
|                        | Indexed  | 100 | 82  | 91  | 105 | 105 |
| ROCE                   | %        | *** | *** | *** | *** | *** |
|                        | Indexed  | 100 | 123 | 40  | 11  | 11  |

69. From the above, it is seen that

- The profit of the domestic industry was at similar levels during 2015-16 and 2016-17. Profits of the domestic industry declined significantly in 2017-18 and further in POI. The domestic industry suffered financial losses in the POI.
- The domestic industry is faced with increase in cost of sales. However, even when both selling price and cost of sales increased, the increase in selling price was less than the increase in cost of sales, resulting in decline in profits and even financial losses in the POI.
- Cash profit, Profit before interest, and Return on Capital Employed followed the same trend as that of profits and have declined significantly over the period of injury.

**d. Employment, productivity and wages**

70. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

| Particulars               | Unit     | 2015-16 | 2016-17 | 2017-18 | POI    |            |
|---------------------------|----------|---------|---------|---------|--------|------------|
|                           |          |         |         |         | Actual | Annualised |
| Employee                  | Nos.     | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|                           | Indexed  | 100     | 102     | 106     | 108    | 108        |
| Productivity per Day      | MT/Day   | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|                           | Indexed  | 100     | 107     | 113     | 112    | 112        |
| Productivity per employee | MT/Nos   | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|                           | Indexed  | 100     | 104     | 107     | 103    | 103        |
| Wages                     | Rs. Lacs | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|                           | Indexed  | 100     | 111     | 119     | 138    | 138        |
| Wages                     | Rs/MT    | ***     | ***     | ***     | ***    | ***        |
|                           | Indexed  | 100     | 104     | 106     | 123    | 123        |

71. The Authority notes that there is improvement over the injury period in respect of employment, wages and productivity. It is however noted that these parameters are not reflective of the impact of dumped imports on the domestic industry in view of various statutory regulations in the country and multi product operations of the domestic industry.

**e. Inventories**

72. Inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

| <u>Particulars</u> | <u>Unit</u> | <u>2015-16</u> | <u>2016-17</u> | <u>2017-18</u> | <u>POI</u> |
|--------------------|-------------|----------------|----------------|----------------|------------|
| Average Stock      | MT          | ***            | ***            | ***            | ***        |
| Indexed            |             | 100            | 66             | 86             | 173        |
| Opening Stock      | MT          | ***            | ***            | ***            | ***        |
| Indexed            |             | 100            | 97             | 33             | 135        |
| Closing Stock      | MT          | ***            | ***            | ***            | ***        |
| Indexed            |             | 100            | 34             | 140            | 212        |

73. It is seen that the inventories with the Domestic Industry had shown decline till 2016-17, but increased thereafter till the POI.

**f. Growth**

74. The Authority notes that growth of the Domestic Industry with regard to production, domestic sales, profits, market share, return on investment, cash profits and inventory etc. was negative in the POI.

| <u>Particulars</u>   | <u>2015-16</u> | <u>2016-17</u> | <u>2017-18</u> | <u>POI(A)</u> |
|----------------------|----------------|----------------|----------------|---------------|
| Capacity Utilization | -              | 5.81%          | -10.23%        | -0.80%        |
| Production           | -              | 6.92%          | 5.47%          | -1.01%        |
| Domestic Sales       | -              | 9.32%          | -6.29%         | -0.83%        |
| Cost of Sales        | -              | 0.91%          | 8.51%          | 7.50%         |
| Selling Price        | -              | 0.25%          | -0.05%         | 3.44%         |
| Profit/Loss per MT   | -              | -4.83%         | -69.95%        | -116.34%      |
| ROI                  | -              | 8.25%          | -29.79%        | -10.51%       |
| Cash Profit          | -              | 3.29%          | -67.18%        | -92.71%       |

**g. Magnitude of dumping**

75. The dumping margins in respect of each of the subject countries are positive and substantial during the POI.

**h. Ability to raise investment**

76. It is noted that the domestic industry has enhanced its capacity for the subject goods in the year 2017-18 before commencement of dumping. However, with commencement of dumping, the profits, cash profits and return on investment earned by the domestic industry turned negative, thus signifying that their ability to raise capital investment will get impacted if dumping persists.

**i. Factors affecting domestic prices**

77. Examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the Domestic Industry in the domestic market, etc. show that the landed value of imported material from subject countries is significantly below the selling price of the domestic industry, causing significant price undercutting in the Indian market. There is no viable substitute to this product. Demand for the product has by and large remained unchanged and could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. The only factor responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from subject countries and the cost of sales of the domestic industry. As the information shows, whereas the cost of sales increased, the domestic industry was prevented from increasing their prices in line with the increase in the cost.

78. The examination of the imports of the subject goods and performance of domestic industry shows that the volume of imports has increased in absolute terms as well as in relation to production and

consumption in India. The imports are undercutting the prices of the domestic industry to a significant degree. The price underselling is positive and significant. The imports have prevented price increases which otherwise would have occurred. While the capacity of the domestic industry has increased over the period, the production and sales of the domestic industry have declined in the POI when compared to the base year. The domestic industry has suffered a decline in its profits over the period and is suffering financial losses. The cash profits and return on capital employed of the domestic industry has declined significantly. The dumping margin is positive and significant. The growth of the domestic industry was negative in the POI.

79. In view of the foregoing, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

#### **H. OTHER KNOWN FACTORS AND CAUSAL LINK**

80. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.

- a. **Volume and prices of imports from third countries:-** The Authority notes that volume of imports of the product is significant from European Union. It is however noted that imports from EU are only of liquid choline chloride. Therefore, the Authority determined dumping margin and injury margin in case of imports from EU by considering normal value and NIP for liquid choline chloride and found that the injury margin in case of imports from EU was negative. Accordingly, the Authority decided not to initiate investigations in respect of imports from EU. The Authority notes that the interested parties are comparing import price from EU and subject countries without recognizing that imports from EU are only liquid choline chloride and therefore normal value and NIP is required to be considered accordingly. The interested parties have assessed injury margin in imports from EU by considering price for dry choline chloride, which is fallacious. The Authority notes that the petitioner had given one single NIP for dry choline chloride in its petition. It had not claimed two NIPs separately for liquid (choline chloride of 75% concentration) and dry (choline chloride of 60% concentration) in its petition. Therefore, for proper comparison at the same level, it had converted in its petition the import data of 75% concentration to bring it at par with the NIP submitted in the petition which was for dry (choline chloride of 60% concentration). However, the Authority, at the time of initiation, prepared two NIPs separately for both liquid and dry. And therefore, there was no need for the import data of 75% concentration to convert it equivalent to 60% concentration, as the Authority compared the NIP of liquid (75%) with import data of liquid (75%) and compared the NIP of dry (60%) with import data of (60%). The comparison showed that the injury margin in case of EU was negative which warranted exclusion of EU from the scope of the investigations. Thus, the Authority holds that there is no injury to the domestic industry from EU and the contention of other interested parties on failure of causal link in this regard is unfounded. Imports from all other countries are de-minimis in volume terms.
- b. **Contraction in demand:** - Demand for the product has by and large remained almost same over the injury period. Thus, decline in demand could not be the reason for injury to the domestic industry.
- c. **Changes in the patterns of consumption:** - There is no evidence of any change in the pattern of consumption with regard to the product under consideration. Therefore, changes in the pattern of consumption cannot be considered to have caused injury to the Domestic Industry.
- d. **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:** - The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. No evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.
- e. **Developments in technology:** - None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate that changes in the technology could have caused injury to the Domestic Industry.

- f. **Export performance:** - The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

# **I. CONCLUSION ON CAUSAL LINK**

81. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. Decline in sales by the domestic industry as a result of increase in imports led to increase in inventory and consequently decline in production and capacity utilization.
- b. Imported product is significantly undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices in proportion to the increase in cost of sales.
- c. Price suppression faced by the domestic industry led to decline in profits, cash profits and return on capital employed.

# **J. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN**

82. The Authority has determined Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry on the basis of principles laid down in Anti-Dumping Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining the non-injurious price, a reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit.

83. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on facts available.

84. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margins for producers/exporters have been determined and the same is provided in the table below:

| Country  | Exporter              | Non Injurious Price | Landed Import Price | Injury Margin | Injury Margin | Injury Margin |
|----------|-----------------------|---------------------|---------------------|---------------|---------------|---------------|
|          |                       | US\$/MT             | US\$/MT             | US\$/MT       | %             | Range         |
| China    | All                   | ***                 | ***                 | ***           | ***           | 30-40         |
| Vietnam  | GHW (Vietnam) Co. Ltd | ***                 | ***                 | ***           | ***           | 0-10          |
| Vietnam  | Residual              | ***                 | ***                 | ***           | ***           | 10-20         |
| Malaysia | All                   | ***                 | ***                 | ***           | ***           | 30-40         |

85. It is evident from the above table that the level of injury margin is significantly higher.

# **K. POST DISCLOSURE SUBMISSIONS**

86. Post- disclosure submissions have been received from the interested parties as under:

## **Submissions made by the domestic industry**

- a) The non-injurious price determined by the Authority is not based on the expenses reported by the domestic industry. The expenses reported by the domestic industry have been modified. Such modification is inappropriate and unjustified. The domestic industry is unable to comment on these modifications done, as reasons for these modifications have not been stated in the

disclosure statement.

**Submissions made by other interested parties.**

**Submissions made by M/s GHW (Vietnam) Co., Ltd.**

- b) The Company exported the subject goods directly to Indian users and also to related importer in India, namely M/s Nuovomondo Chemicals Pvt. Ltd. However, landed price determined as per the disclosure statement does not reflect the resale price of the imported product by the related importer. The landed price should be determined as per the definition of export price provided in Section 9A (1) (b) of the Customs Tariff Act 1975.

**Submissions made by M/s Uttara Impex Pvt. Ltd.**

- c) The Authority has done comparison of imports of liquid form of PUC with NIP of liquid form of PUC and imports of dry form of PUC with NIP of dry form of PUC. The Authority is requested to kindly disclose the import quantity & other analysis such as price undercutting and underselling of liquid and dry form separately.

**Examination of the Authority**

- 87. The Authority has examined the post-disclosure submissions made by the interested parties including reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of these final findings. The issues raised for the first time in the post disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined below.
- 88. With regard to the NIP, it is clarified that the Authority has determined the NIP as per the guidelines laid down in Annexure-III of AD Rules and the practice followed by the Authority with regard to admissibility of expenses, allocation & apportionment of expenses. The NIP has been calculated on the basis of actual data of raw material, utilities, capacity etc., as made available by the Domestic Industry.
- 89. With regard to the claims of GHW (Vietnam) Co., Ltd and Nuovomondo Chemicals Pvt. Ltd, the Authority notes that GHW (Vietnam) Co., Ltd exported the PUC to independent customers in India and also to a related importer namely Nuovomondo Chemicals Pvt. Ltd who had also filed the response. It is seen that the related importer further sold the subject goods to independent users in the market. The Authority notes that the export price has been determined appropriately in terms of Section 9A (1) (b) of the Customs Tariff Act.
- 90. With regard to the claim of M/s Uttara Impex, the Authority notes that there is no requirement to disclose analysis for each type of PUC. The authority has disclosed all relevant information for the product under consideration as a whole.

**L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

- 91. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duty would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
- 92. It is recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the product under consideration and downstream goods manufactured using the product under consideration. This might consequently have some effect on the relative competitiveness of the downstream products. However, since levy of an anti-dumping duty is restricted to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure. Imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the product under consideration.

**M. CONCLUSION**

- 93. Having regard to the contentions raised, information provided, and submissions made by the



interested parties and facts available before the Authority as recorded in these final findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes that:

- I. The product under consideration has been exported to India from the subject countries below its normal value, resulting in dumping.
- II. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.
- III. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

#### **N. RECOMMENDATION**

94. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. The Authority, therefore, considers it necessary to recommend imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

95. In terms of provision contained in Rule 4(d) & Rule 17(i) (b) of the Rules, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the duty table below is recommended to be imposed for five (5) years from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries.

#### **DUTY TABLE**

| S. No | Heading/Sub-Heading                            | Description of Goods          | Country of Origin                                     | Country of Export              | Producer   | Duty Amount | Currency | Unit |
|-------|--|-------------------------------|---|--------------------------------|--|-------------|----------|------|
| 1     | 2  | 3                             | 4   | 5                              | 6  | 7           | 8        | 9    |
| 1.    | 23099010,<br>23099020,<br>23099090<br>29231000 | Choline Chloride in all forms | China PR  | Any country including China PR | Any  | 269         | US\$     | MT   |
| 2.    | -do-   | Choline Chloride in all forms | Any country other than China PR, Malaysia and Vietnam | China PR                       | Any  | 269         | US\$     | MT   |
| 3.    | -do-   | Choline Chloride in all forms | Malaysia  | Any country including Malaysia | Any  | 315         | US\$     | MT   |
| 4.    | -do-   | Choline Chloride in all forms | Any country other than China PR, Malaysia and Vietnam | Malaysia                       | Any  | 315         | US\$     | MT   |
| 5.    | -do-   | Choline Chloride in all forms | Vietnam   | Any country including Vietnam  | GHW (Vietnam) Co., Ltd                                       | 94          | US\$     | MT   |
| 6.    | -do-   | Choline Chloride in all forms | Vietnam   | Any country including Vietnam  | Any producer other than producer mentioned at S.No. 5. above | 170         | US\$     | MT   |

|    |      |                               |   |         |     |     |      |    |
|----|------|-------------------------------|---|---------|-----|-----|------|----|
| 7. | -do- | Choline Chloride in all forms | Any country other than China PR, Malaysia and Vietnam | Vietnam | Any | 170 | US\$ | MT |
|----|------|-------------------------------|---|---------|-----|-----|------|----|

**\*Note:** Customs classification is only indicative, and the determination of anti-dumping duty shall be made as per the description of the PUC.

#### **O. FURTHER PROCEDURE**

96. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

B. B. SWAIN , Special Secy. & Designated Authority